@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 2 अगस्त 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 269 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

बोले- हमारी सरकार का मंत्र है, इन्वेस्टमेंट से रोजगार

एजेंसी

आंध्र प्रदेश । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भोगापुरम में विकास परियोजाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम है। मुझे आज बहुत शुभ अवसर पर एक शुभ महीने में उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। मैं सबसे पहले भगवान श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के चरणों में प्रणाम करता हूं। मैं श्री कूर्मनाथ स्वामी और मां पोंडितल्ली को नमन करता हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां करीब 18 हजार करोड़

रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ-साथ ये परियोजनाएं आंध्र की रोड कनेक्टिविटी से जुड़े हैं। इनमें इनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े प्रोजेक्ट भी हैं। ये विकास कार्य इस बात के प्रतीक हैं कि इस समय आंध्र किस स्पीड से आगे बढ़ रहा है। मैं आप सभी को इन परियोजनाओं की शुभकामनाएं देता हूं। ' पीएम ने कहा कि आज का आयोजन नया इतिहास और नए रिकॉर्ड रचने का भी है। एक ओर विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, साथ ही धीमसा नृत्य का सांस्कृतिक रिकॉर्ड भी रचा गया है। चंद्रबाबू की विशेषता है कि उन्होंने दो क्षितिजों को छुआ है। एक तरफ एयरपोर्ट का निर्माण और दूसरी तरफ आदिवासी बहनों के द्वारा धीमसा नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाना। चंद्रबाबू के इस विजन को विशेष रूप से सराहना करता हूं। '

मैसूरु में पीएम मोदी का भव्य स्वागत, सीएम शिवकुमार ने भेंट की शॉल और गुलदस्ता

मैसूरु । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मैसूरु पहुंचे। यहां वे रामकृष्ण विद्याशाला में विवेका स्मारक के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। हेलीपैड पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने पीएम मोदी को शॉल और गुलदस्ता भेंट किया। इस दौरान कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी मौजूद रहे। पीएम मोदी के दौरे को लेकर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगरी मैसूरु को पूरी तरह से पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था।

गुजरात के सूरत में 24 घंटे में 24 इंच बारिश

केरल में लैंडस्लाइड से 4 की मौत | राजस्थान-बिहार समेत 18 राज्यों में अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात में हुई भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सूरत में सबसे अधिक 24 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि 12 अन्य क्षेत्रों में 10 इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने शनिवार को गुजरात और केरल राज्य के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। केरल में भी लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और लैंडस्लाइड जैसे हालात हैं। इडुक्की और कोट्टायम जिलों में अलग-अलग लैंडस्लाइड की घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और बिहार समेत 12 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे भारी बारिश के चलते बंद है। इसके चलते जम्मू से अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है।

मौसम में सुधार के बाद बालटाल मार्ग से फिर शुरू हुई अमरनाथ यात्रा

बालटाल। खराब मौसम और आवश्यक मरम्मत कार्यों के कारण एक दिन के लिए स्थगित की गई वार्षिक अमरनाथ यात्रा शनिवार को बालटाल मार्ग से पुनः शुरू हो गई। मौसम में सुधार और मार्ग की मरम्मत पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन की अनुमति दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह से बालटाल मार्ग पर तीर्थयात्रा सामान्य रूप से संचालित की जा रही है। श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पवित्र गुफा मंदिर की ओर रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि मार्ग की स्थिति सुरक्षित होने के बाद यात्रा बहाल करने का निर्णय लिया गया।

कुलगाम हमले की कांग्रेस ने की निंदा

राहुल गांधी बोले- 'आतंकियों पर हो सख्त कार्रवाई, मिले कड़ी से कड़ी सजा

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमले के दौरान दो मजदूरों की मौत पर कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय और मानवता को शर्मसार करने वाला है। दो निर्दोष मजदूरों की पहचान पूछकर उनकी निर्मम हत्या करना आतंक की क्रूर मानसिकता का घिनौना उदाहरण है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उन्हें कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए।' नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए दुस्साहसी आतंकी हमले में देश के दो श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। आतंकवाद के खिलाफ देश हमेशा एकजुट है। ' कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट में लिखा, 'कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है।

गृह मंत्री अमित शाह ने अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से किया सम्मानित

एजेंसी

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अजीत डोभाल को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद उपस्थित अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की। इस समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, लोकमान्य तिलक ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहित तिलक सहित विभिन्न

क्षेत्रों के अनेक व्यक्ति और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस समारोह ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रसेवा के विचारों को एक बार फिर स्मरण कराया। 81 वर्षीय अजीत डोभाल भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं और अभी इस पद पर बने हुए हैं।

आजादी का मतलब केवल मनमानी नहीं : अजीत डोभाल

'आज की पीढ़ी को इसका सही मतलब समझना होगा | ये लंबे संघर्ष के बाद मिली है'

एजेंसी

पुणे । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने शनिवार को पुणे में कहा, ' युवाओं को यह समझना होगा कि आजादी का मतलब केवल अपनी मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं है।' कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'युवा आजादी को केवल अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता समझ सकते हैं, लेकिन आजादी का वास्तविक अर्थ यह नहीं है। हमें यह समझाना होगा कि देश की आजादी के पीछे एक लंबा संघर्ष और इतिहास रहा है।' दरअसल, 1 अगस्त को अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला। इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। NSA ने कहा कि आज के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसे विचार मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा।

शाह बोले- डोभाल को एनएसए बनाना मोदी का पहला फैसला

शाह ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक अजीत डोभाल को NSA नियुक्त करना था। उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। आज भारत की विदेश नीति में फौलाद जैसी मजबूती है और हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट-पीएम को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगी

वीडियो में कहा- मैं 15 साल की | मेरी पहली और आखिरी गलती

एजेंसी

नई दिल्ली । जंतर-मंतर पर पीएम मोदी को गाली देने वाली

लड़की ने माफी मांगने का वीडियो जारी किया है। उसने कहा, 'मैं सिर्फ 15 साल की हूं, यह मेरी पहली और आखिरी गलती थी। मैं बहकावे में आ गई थी।' वीडियो सामने आने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने शनिवार को पूछा, 'क्या सरकार केस भी वापस लेगी।' लड़की के खिलाफ 30 जुलाई को नोएडा में केस दर्ज हुआ था।

इधर, पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर की थी। इसमें उन्होंने कहा था, 'मुझे और मेरी मां को भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले बच्चों को माफ करना चाहता हूं।'

वीडियो में हाथ जोड़े दिखी लड़की

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह लड़की हाथ जोड़कर अपने बयान पर माफी मांगती नजर आ रही है। वीडियो में लड़की कहती है, 'मैं 15 साल की हूं। अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस घूमने गई थी। वहां छात्र प्रदर्शन चल रहा था और आसपास मौजूद कुछ लोग [illegible] के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। मैं उसी माहौल और भीड़ के बहकावे में आ गई।'

पीएम मोदी रील में बोले- भटके बच्चों को माफ करना चाहता हूं

पीएम मोदी ने रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की। उन्होंने कहा बचपन में गलतियां होती हैं। बचपन की गलतियों को सुधारने का अवसर भी होता है। ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाने का समय है, इन्हें माफ करना चाहता हूं।
यह पिछले 9 दिनों में पीएम का 5वां वीडियो है। रात 11 बजे जारी किए गए वीडियो को 30 मिनट में 13 लाख लोगों ने लाइक किया।

नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार से मिले राहुल गांधी

• सुसाइड करने वाले छात्रों के परिवार को सांत्वना दी।

एजेंसी

चेन्नई। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को महाबलीपुर में नीट पेपर लीक के कारण सुसाइड करने वाले छात्रों के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में छात्रों के परिजनों के साथ मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि अपने बच्चों को खोने वाले माता-पिता के आंसू, उनका बिलखना - इससे बड़ा कोई दुःख नहीं होता। ये एक गम उनके साथ हमेशा जिंदा रहेगा और साथ ही रह जाते हैं इस टूटी और भ्रष्ट शिक्षा प्रणाली के बारे में कई सवाल। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, रद्द परीक्षाएं, सालों की तैयारी एक पल में बर्बाद... हमारे छात्रों को उस सिस्टम में ईमानदारी से मेहनत करने के लिए कहा जाता है जो खुद बेईमान है। और उसके बाद भी प्रधानमंत्री की ये

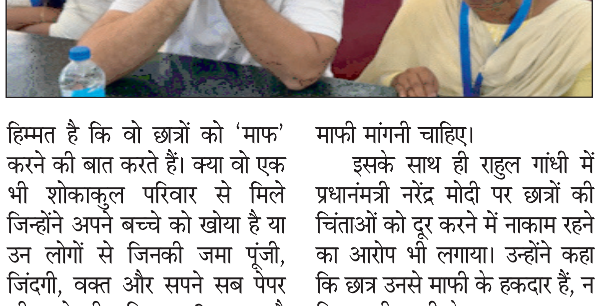

हिम्मत है कि वो छात्रों को 'माफ' करने की बात करते हैं। क्या वो एक भी शोकाकुल परिवार से मिले जिन्होंने अपने बच्चे को खोया है या उन लोगों से जिनकी जमा पूंजी, जिंदगी, वक्त और सपने सब पेपर लीक से छीन लिए गए? जवाब है नहीं !उन्होंने कहा कि भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की क्षमा की जरूरत नहीं - प्रधानमंत्री मोदी को उनसे माफी मांगनी चाहिए।

इसके साथ ही राहुल गांधी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर छात्रों की चिंताओं को दूर करने में नाकाम रहने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि छात्र उनसे माफी के हकदार हैं, न कि उनकी माफी के।

प्रधानमंत्री रविवार को 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' की करेंगे शुरुआत एक्ज़िक्यूटिवब्रांच

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ करेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव के दूत के रूप में तैयार करना है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस अभियान के साथ नशे के खिलाफ 100 सप्ताह तक चलने वाले देशव्यापी 'जन भागीदारी अभियान' की शुरुआत होगी। इसके तहत देशभर में प्रत्येक रविवार को जागरूकता और जनसहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान खेल प्रतियोगिताएं, वॉकाथॉन, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक, विचार-विमर्श, कला प्रतियोगिताएं और सामुदायिक सहभागिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रयागराज में 8 अगस्त को छात्रों से संवाद करेंगे राहुल गांधी

प्रयागराज । नीट, सीबीएसई समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और रोजगार के मुद्दों को लेकर कांग्रेस एक बार फिर छात्रों के बीच बड़ा राजनीतिक अभियान शुरू करने जा रही है। इसी कड़ी में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित केपी ग्राउंड में आयोजित 'छात्र संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कांग्रेस का दावा है कि इस कार्यक्रम में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में छात्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा हिस्सा लेंगे।

भलस्वा कचरा ढेर स्थल से 99.07 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का निस्तारण

• 15 अक्टूबर तक पूरा होगा काम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के भलस्वा स्थित विशाल कचरा ढेर स्थल से अब तक 99.07 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का निस्तारण कर हटा दिया है। सरकार का लक्ष्य 15 अक्टूबर तक इस कचरे के पहाड़ को पूरी तरह समाप्त करना है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को भलस्वा कचरा ढेर स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुराने कचरे के निस्तारण कार्य की समीक्षा की। साथ ही मंत्री को बताया गया कि इस साल मार्च तक जमा हुए कचरे को 31 दिसंबर तक हटाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने एमसीडी को निर्देश दिया कि लैंडफिल साइट पर आने वाले ताजा कचरे के प्रसंस्करण का कार्य तेजी से पूरा किया जाए ताकि निस्तारण की गति और बढ़े और वैज्ञानिक ढंग से कचरे का प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। मनोहर लाल ने कहा कि भलस्वा स्थल पर समयबद्ध तरीके से पुराने कचरे की सफाई और संपूर्ण निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। इस निरीक्षण से यह संदेश गया कि शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय सुधार को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है।

जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी में आतंकी साजिश की थी योजना

मुख्यमंत्री शुभेंदु भी थे निशाने पर: बंगाल एसटीएफ

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल मामले में शनिवार को कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

एसटीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) गौरव शर्मा ने यहां पत्रकार वार्ता में दावा किया कि हमीम मंडल की योजना नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी पहनकर बड़ी साजिश को अंजाम देने की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उसके निशाने पर थे। एसटीएफ के अनुसार, 24 वर्षीय हमीम मंडल को शुक्रवार को पूर्व बर्धमान से

गिरफ्तार किया गया था। उसी रात उसे कोलकाता लाकर पूछताछ शुरू की गई। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन, अन्य डिजिटल उपकरणों और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर हुई चैट की गहन पड़ताल में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। एसटीएफ का दावा है कि हमीम के पाकिस्तान में बैठे कई हैंडलरों से संपर्क थे। ये लोग मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े शाहजहाद भट्टी गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। इनके बीच व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य माध्यमों से नियमित संपर्क बना हुआ था। एसटीएफ आईजी ने दावा किया कि हमीम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। इसके अलावा हाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की वर्दी पहनकर हिंसक वारदात को अंजाम देने की भी योजना बनाई गई थी। हावड़ा के एक मंत्री भी संभावित निशानों में शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया है कि हमीम 'राना', 'आबिर', 'हबीब' और '333' जैसे कूटनाम वाले संचालकों के संपर्क में था। एसटीएफ के मुताबिक यह नेटवर्क युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने, हथियारों की तस्करी, विध्वंसक गतिविधियों की साजिश रचने और प्रभावशाली लोगों को 'हनी ट्रैप' में फंसाने जैसे मामलों में सक्रिय रहा है।

कांगो से लौटे बीएसएफ के जवान में दिखे इबोला के लक्षण

-11 हजार से अधिक यात्रियों की स्क्रीनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में इबोला वायरस के मंडराते खतरे के बीच भारत में भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) से लौटे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक 52 वर्षीय जवान में इबोला के संदिग्ध लक्षण दिखने के बाद हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर जवान को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के विशेष इबोला आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि देश में अभी तक इबोला के एक भी कन्फर्म मामले की पुष्टि नहीं हुई है और सरकार स्थिति पर मुस्तैदी से नजर बनाए हुए है। संदिग्ध लक्षणों वाला यह बीएसएफ जवान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशन का हिस्सा था और 11 जुलाई को कांगो से भारत लौटा था। प्रभावित क्षेत्र से आने के कारण नियमों के तहत जवान को एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन में 21 दिनों के अनिवार्य क्वारंटीन में रखा गया था। क्वारंटीन के 20वें दिन जवान को अचानक तेज बुखार और बदन दर्द की शिकायत हुई, जो इबोला संक्रमण के शुरुआती लक्षण माने जाते हैं। प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए मरीज को अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। जवान के खून के नमूने जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजे गए हैं और फिलहाल रिपोर्ट का इंतजार है।

भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा फिर रुकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर अमरनाथ यात्रियों की रफ्तार को रोक दिया है। खराब मौसम और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) के बंद होने के कारण शनिवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से श्रद्धालुओं का नया जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना नहीं किया जा सका। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित की गई है। जानकारी के अनुसार, करीब 250 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग लगातार दूसरे दिन बंद रहा। उधमपुर जिले के तथा-समरोली क्षेत्र में सड़क की मरम्मत का कार्य चल रहा है। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश से सड़क को हुए नुकसान के बाद शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के काफिले के गुजरने के तुरंत बाद दोनों ओर से यातायात रोक दिया गया था। इसके बाद लगातार बारिश से सड़क पर कीचड़ जमा हो गया और मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया, जिससे बहाली का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। रामबन और उधमपुर जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश जारी है। एनएच-44 कश्मीर घाटी को देश के शेष हिस्सों से जोड़ने वाला प्रमुख ऑल वेदर मार्ग है। इसके बंद रहने से न केवल अमरनाथ यात्रा प्रभावित हुई है, बल्कि सामान्य यातायात पर भी असर पड़ा है। इस बीच, श्रद्धालुओं की संख्या में कमी को देखते हुए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण और टोकन वितरण की व्यवस्था तवी रिवरफ्रंट से स्थानांतरित कर भगवती नगर आधार शिविर में कर दी है। पहले तवी रिवरफ्रंट पर ऑफलाइन पंजीकरण, टोकन वितरण, ई-केवाईसी सत्यापन और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की केंद्रीकृत सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

केरल में भूस्खलन से 3 की मौत, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात, रेड अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में हालात गंभीर हैं। मध्य केरल के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा असर पहाड़ी जिले इडुक्की में देखने को मिला, जहां शनिवार को भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान सुमति के रूप में हुई है। वह अडूरमाला क्षेत्र की रहने वाली थीं। शनिवार सुबह हुए भूस्खलन का मलबा उसके घर पर गिरा, जिससे मकान पूरी तरह तबाह हो गया। इसके अलावा 2 अन्य लोगों की भी मौत की खबर है। शनिवार को देश के कई इलाकों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया। कई जिलों में शनिवार को भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोगों ने सुमति के पति रवि और बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों घायल थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर सुमति का शव बरामद किया। इडुक्की के वागामोन इलाके में भी भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति के घर में फंसे होने की सूचना मिली है। उसे बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान जारी है।

देश में गंदगी फैलाते, विदेश में जाकर जेंटलमैन बन जाते- हाईकोर्ट की कड़ी फटकार

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने देश में स्वच्छता के प्रति लापरवाही बरतने और जगह-जगह कचरा फैलाने वालों को कड़ी फटकार लगा दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने तीखी टिप्पणी कर कहा कि ये लोग अपने देश में गंदगी फैलाते हैं, लेकिन विदेश जाते ही सुधर जाते हैं और जेंटलमैन होने का नाटक करते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने सवाल उठाया कि जब विदेश में तय जगह पर कचरा डाला जा सकता है, तब अपने देश में क्यों नहीं। अदालत ने कहा कि साफ-सफाई की जिम्मेदारी समाज की भी है और लोगों को कम से कम अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। बॉम्बे हाई कोर्ट में कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के आसपास गंदगी और बदबू को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर फटकार लगाई।

अदालत ने कहा कि यहीं लोग विदेश में चॉकलेट के रैपर भी डस्टबिन में डालते हैं, लेकिन यहां आकर लापरवाही बरतते हैं। क्या यही हमारी आज़ादी और लोकतंत्र का अर्थ है? शहर के बीचों-बीच प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, जिससे एक सभ्य समाज की हमारी छवि धूमिल होती है। हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएस) के स्वच्छ मुंबई, सुंदर मुंबई कार्यक्रम की निष्क्रियता पर भी चिंता जाहिर की हैं, यह कहते हुए कि न जनता सहयोग कर रही है और न ही मशीनरी ठीक से काम कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सड़कें कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं हैं, जहां सारा कूड़ा-कचरा डाल दिया जाए। यहां तक कि हाई कोर्ट परिसर के पास भी कचरे के ठीक से निपटान न होने और न उठाए जाने पर भी बेंच ने नाराजगी जाहिर की। बेंच ने गौर किया कि बड़ी संख्या में पर्यटक गंदगी को देखते हैं, जिससे शहर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है। साथ ही, कचरा उठाने वाले कर्मियों के काम करने के तरीके को भी असंतोषजनक बताया, जिससे बहुत सारा कचरा पड़ा रह जाता है। कोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को एक सप्ताह का समय देकर गंदगी की समस्या पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

वंदे मातरम् पढ़ने या गाने में आपत्ति नहीं, मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है

बिल को मंजूरी मिलने के बाद अरशद मदनी ने कुछ हिस्सों को लेकर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे मातरम् बिल के संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद देश में सियासी बहस तेज हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा में बिल को मंजूरी मिलने के बाद अब यह मुद्दा हिंदू-मुस्लिम बहस के केंद्र में आ गया है। मुस्लिम संगठनों ने इस बिल पर सवाल उठाते हुए इसे संविधान में दिए गए धार्मिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बिल का विरोध किया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बिल के कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरशद मदनी ने कहा कि मुसलमानों को किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनकी धार्मिक मान्यताएं कुछ अलग हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता। मदनी ने कहा कि वंदे मातरम् के कुछ हिस्से इस्लामी आस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए किसी भी मुसलमान को इसे गाने या स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।

मदनी ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता और अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने अनुच्छेद 19 का जिक्र करते हुए कहा कि यह नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। मदनी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम् को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाना धार्मिक और संवैधानिक स्वतंत्रता पर हमला है। किसी विशेष धार्मिक विचार या मान्यता को देश के सभी नागरिकों पर लागू नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक बिल का विरोध करने वाले मुस्लिम नेता और धार्मिक संगठनों का कहना है कि इसे लागू करना धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को प्रभावित कर सकता है। मदनी ने बिल पर बात करते हुए कहा कि देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक चुनौतियां, किसानों की समस्याएं और युवाओं के भविष्य जैसे बड़े मुद्दे हैं। ऐसे समय में संसद को इन जरूरी विषयों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

मुस्लिम नेताओं और मौलानाओं का आरोप है कि यह बिल मुसलमानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से लाया गया है। वहीं, बिल के समर्थकों का कहना है कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत को सम्मान और कानूनी संरक्षण देना है। बता दें वंदे मातरम् बिल को अब राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसके बाद ही यह तय होगा कि यह कानून के रूप में कब लागू होगा।

दिल्ली के आसमान में 2 से 16 अगस्त तक नहीं उड़ेंगे ड्रोन

-छोटे हवाई प्लेटफॉर्म पर भी लगा पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए राजधानी में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन सहित सभी तरह के छोटे हवाई प्लेटफॉर्म उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला सुरक्षा खतरों की आशंका और खुफिया इनपुट के मद्देनजर लिया गया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया यह आदेश 15 दिनों तक लागू रहेगा। इसमें 15 अगस्त के समारोह से पहले और तुरंत बाद की अवधि शामिल है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग करके आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट में भी आशंका जताई गई है कि असामाजिक तत्व या आतंकवादी ड्रोन और अन्य छोटे हवाई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर आम लोगों, वीआईपी, संवेदनशील सरकारी भवनों और स्वतंत्रता दिवस समारोह को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे किसी भी खतरे को पहले ही खत्म करने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। बीएनएसएस के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि अधिसूचित अवधि के दौरान दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) के अधिकार क्षेत्र में कहीं भी इन चीजों को उड़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ऊपर पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंगग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान, रिमोट से संचालित विमान, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के संचालित विमान, क्वाडकॉप्टर या विमान से पैरा जंपिंग आदि जैसे गैर-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों की उड़ान पर रोक लगाई जाती है। दिल्ली पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि इस निर्देश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

पुजारी के वेश में प्रदर्शन पर पप्पू यादव के खिलाफ थाने में शिकायत

-धार्मिक भावनाएं आहत करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा घोटाले के मुद्दे पर पुजारी के वेश में प्रदर्शन करने वाले पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के खिलाफ दिल्ली के जहांगीरपुरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता सूर्य मैथिल ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शन के दौरान धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया गया, जिससे सनातन धर्म के अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने संबंधित नेताओं के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, संसद के बाहर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर मंदिर के पुजारी के रूप में प्रदर्शन कर रहे थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान भगवान राम लला की तस्वीर का अनुचित तरीके से उपयोग किया गया और धार्मिक प्रतीकों का अपमान हुआ। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस प्रदर्शन को विपक्षी इंडिया गठबंधन के कई सांसदों का समर्थन प्राप्त था। सूर्य मैथिल ने गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली पुलिस आयुक्त, संबंधित डीसीपी, एसीपी और जहांगीरपुरी थाना प्रभारी को संबोधित शिकायत में मांग की है कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पप्पू यादव और प्रदर्शन में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। दरअसल, शुक्रवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव साधु के वेश में नजर आए थे।

राम मंदिर में दान पेटियों की अब होगी 360 डिग्री वीडियोग्राफी

एसबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में खुलेगा दान पात्र

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी विवाद के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अपनी सुरक्षा और सर्विलांस व्यवस्था को बेहद सख्त कर दिया है। मंदिर में रोजाना बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं द्वारा दिए जा रहे दान में पूर्ण पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए 25 जुलाई से दान पेटियों के प्रबंधन से लेकर गिनती तक की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी शुरू कर दी गई है।

ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संपूर्ण व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए 8 सदस्यीय मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। मंदिर परिसर और दान पेटियों के पास 360 डिग्री और एसएलआर कैमरे लगाए गए हैं, जो चप्पे-चप्पे की पल-पल वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। इसके अलावा पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए दो पेशेवर फोटोग्राफरों को भी तैनात किया गया है। बदलाव के तहत अब पहले की तरह एक साथ कई

दान पेटियां नहीं खोली जाएंगी। नई व्यवस्था के अनुसार, प्रतिदिन केवल एक ही दान पेटी खोली जाएगी। न्यास के महंत दिनेन्द्र दास ने बताया कि एक दान पेटी खाली करने से लेकर उसे गणना कक्ष तक ले जाने और सील करने तक की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाती है। दान की गिनती का काम भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों की अनिवार्य मौजूदगी में संपन्न होगा। निगरानी टीम में बैंक के दो कर्मचारी, न्यास के दो प्रतिनिधि, दो निजी सुरक्षा कर्मी और अन्य कर्मचारी शामिल रहेंगे। जब एक दान पात्र की गिनती पूरी हो जाएगी और एसबीआई के अधिकारी उसे सील कर देंगे, तभी दूसरा बॉक्स खोला जाएगा।

महंत दिनेन्द्र दास ने कहा कि दान गणना वाले कक्ष में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और अब राम मंदिर में एक पैसा भी इधर-उधर नहीं हो सकता। पुलिस द्वारा चढ़ावा चोरी के मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार करने और एसआईटी जांच जारी रहने के बीच ट्रस्ट का मानना है कि बैंक अधिकारियों की उपस्थिति और बहुस्तरीय निगरानी से भविष्य में ऐसी किसी भी घटना की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सावन मास में झूला उत्सव सहित सभी धार्मिक परंपराएं पूर्व की भांति सुचारू रूप से जारी रहेंगी।

क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया : चिदंबरम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान गाली देने वाले युवाओं को लेकर पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके माफ करने की बात कही है। इसके बाद कांग्रेस ने पीएम मोदी पर तंज कसा। पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने कहा कि बीजेपी को ट्रोल्स भी सोशल मीडिया पर भद्दी-भद्दी गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार की आलोचना करते हैं उन्हें बीजेपी के ट्रोल्स गालियां देते हैं। वहीं पीएम मोदी ने शुक्रवार रात रील शेयर करते हुए कहा था कि गाली से किसी चीज का समाधान नहीं निकलता है। उन्होंने कहा था कि उन लोगों को सही रास्ता दिखाना चाहिए जो कि गलत रास्ते पर चले गए हैं। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को विक्टिम कार्ड खेलना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा कि वह अपने पूर्ववर्तियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और कटु भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए वह न केवल अपनी सार्वजनिक सभाओं में बल्कि संसद के अंदर भी बार-बार झूठ फैलाते हैं। संसद के अंदर और बाहर गाली-गलौज करने वालों की पूरी फौज को खुली छूट देते हैं और उन्हें पूरा संरक्षण भी प्रदान करते हैं। रमेश ने आगे कहा कि आज पूरा देश इस बात का इंतजार कर रहा है कि पीएम मोदी एनटीए की पेपर लीक से ग्रस्त व्यवस्था के कारण लाखों युवाओं को हुई पीड़ा और छात्र आंदोलनों पर गृह मंत्रालय के संरक्षण में हुई बर्बर कार्रवाई के लिए माफ़ी मांगें। पूरा देश राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए चंदा चोरी, आस्था धोखा प्रकरण पर भी पीएम मोदी से माफी की अपेक्षा कर रहा है, जिसकी स्थापना की घोषणा उन्होंने स्वयं 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में बड़े जोर-शोर से की थी। पूरा देश आज भी 8 नवंबर 2016 को लिए गए उनके तुगलकी फैसले के लिए उनकी माफी का इंतजार कर रहा है, जिसने करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली और लाखों एमएसएमई बंद होने की कगार पर पहुंच गए।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके से मिले कई दिग्गज नेता

उद्धव ठाकरे ने फोन पर दिया समर्थन

मुंबई (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके इन दिनों जबरदस्त राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में हैं। छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके आवास पर विभिन्न दलों के नेताओं, समाजसेवियों और कार्यकर्ताओं के मिलने का तांता लगा हुआ है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को अभिजीत दीपके से फोन पर बात की और उन्हें पूरे विपक्ष की ओर से एकजुट समर्थन देने का भरोसा दिलाया। यह बातचीत शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत खैरे के जरिए संभव हुई, जो व्यक्तिगत रूप से दीपके के घर पहुंचे थे। उन्होंने अभिजीत और उद्धव ठाकरे के बीच वीडियो कॉल करवाई। बातचीत के दौरान सीजेपी नेता अभिजीत दीपके ने साफ किया कि जब तक छात्रों की सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे उनके अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। फोन पर चर्चा के दौरान उद्धव ठाकरे ने अभिजीत और उनके माता-पिता को बांद्रा ईस्ट स्थित अपने आवास मातोश्री आने का न्योता भी दिया, जिसे दीपके ने सहर्ष स्वीकार करते हुए जल्द आने की बात कही।

बातचीत का एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का पहलू तब सामने आया जब उद्धव ठाकरे ने

अभिजीत की मां अनीता दीपके से उनके बेटे की शादी की योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी मां ने कहा कि हर माता-पिता की तरह वे भी चाहती हैं कि उनका बेटा शादी कर ले, लेकिन अंतिम फैसला अभिजीत का ही होगा। अभिजीत दीपके के अपने गृह नगर लौटने के बाद से ही महाराष्ट्र राजनीति के कई बड़े चेहरे उनसे मुलाकात कर चुके हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने भी दीपके परिवार से मुलाकात की थी, जिनसे उनके पुराने पारिवारिक संबंध बताए जाते हैं। इसके अलावा, सत्ताधारी शिवसेना के एमएलसी बच्चू काडू भी व्यक्तिगत तौर पर उनसे मिलने पहुंचे थे। दिव्यांगों और किसानों के मुद्दों पर आंदोलन के लिए पहचाने जाने वाले काडू ने जंतर-मंतर पर किए गए विरोध प्रदर्शन के लिए दीपके की सराहना की और कहा कि वे एक आंदोलनकारी के नाते दूसरे आंदोलनकारी का हौसला बढ़ाने आए थे। फिलहाल, दीपके को मिल रहा यह राजनीतिक समर्थन प्रदेश की सियासत में चर्चा का मुख्य विषय बना हुआ है।

कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले में दूसरे मजदूर की भी मौत

-आतंकियों ने छत्तीसगढ़ के मजदूरों का धर्म पूछकर गोली मारी थी

जम्मू (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कीलम इलाके में शुक्रवार को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे दोनों की मौत हो गई। हमले के दौरान एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि दूसरे गंभीर रूप से घायल मजदूर को तुरंत बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, शनिवार को इलाज के दौरान दूसरे मजदूर की भी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बता दें प्रारंभिक जांच में बताया गया कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निशाना बनाया था।

यह हमला पिछले 10 दिनों के भीतर दक्षिण कश्मीर में दूसरी बड़ी आतंकी घटना है। इससे पहले 22 जुलाई को अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक जवान की आतंकवादियों ने करीब से गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस घटना के कुछ ही दिनों बाद, कुलगाम के कीलम में अपनी आजीविका कमाने आए बाहरी मजदूरों को निशाना बनाया गया। कश्मीर घाटी में गैर-स्थानीय या प्रवासी मजदूरों पर लगभग दो साल में यह पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। इससे पहले 18 अक्टूबर 2024 को शोपियां जिले के वाची इलाके में बिहार के बांका जिले के रहने वाले एक प्रवासी मजदूर की अज्ञात आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से फोन पर बात की और सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के खिलाफ अपने अभियानों को तेज करने तथा दोषियों को जल्द से जल्द खत्म करने का सख्त निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं और पूरा देश इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। वहीं, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी इस जघन्य हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि ये मजदूर अपने परिवारों का पेट पालने के लिए अपने घरों से बहुत दूर आकर कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसे निर्दोष लोगों को हिंसा की बेमतलब की घटनाओं में निशाना बनाना अकल्पनीय रूप से क्रूर और कायरतापूर्ण हरकत है। फिलहाल पूरे इलाके में चौकसी बढ़ा दी गई है और आतंकियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

सितंबर में ब्रिक्स समिट में मिलेंगे दुनिया के पॉवरफुल लोग, अमेरिका की धड़कनें हुई तेज?

-इन बैठकों में व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा, वैश्विक हालात जैसे मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सितंबर में ब्रिक्स समिट की मेजबानी करने जा रहा है। इस मंच पर दुनिया के पावरफुल देश शामिल होंगे। इसमें पीएम मोदी की मौजूदगी तो होगी ही साथ ही कई दिग्गज नेता बैठक करेंगे। ये वो वर्ल्ड लीडर हैं, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना विरोधी मानते हैं। अमेरिका के ये तीन दुश्मन देश हैं- रूस, चीन और ईरान।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली में 12 से 13 सितंबर को ब्रिक्स समिट है। इस समिट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान शामिल होंगे। जब ये तीनों वर्ल्ड लीडर भारत में एक मंच पर मिलेंगे तो अमेरिका की धड़कन बढ़ जाएगी। यह समिट ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है। उधर रूस और यूक्रेन के बीच भी लड़ाई जारी है। ऐसे में दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि इस मंच से क्या संदेश निकलता है। अमेरिका भी इस पर नजर जमाए रखेगा।

बता दें शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन और पेजेश्कियन के साथ पीएम मोदी की अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। इन बैठकों में कारोबार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, वैश्विक हालात और क्षेत्रीय तनाव जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिका की नजर सबसे ज्यादा ईरान और चीन पर होगी। गौरतलब है कि भारत और चीन के रिश्ते काफी समय से तल्ख रहे हैं। अब जमी बर्फ पिघलने लगी है। भारत-चीन लगातार अपने संबंध सुधार रहे हैं। अगर शी जिनपिंग सितंबर में भारत आते हैं तो बीते 7 साल में शी जिनपिंग की यह पहली भारत यात्रा होगी।

अमेरिका को डर है कि कहीं ये देश मिलकर अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कोई नया गठजोड़ न बना लें। रूस और ईरान पर अमेरिका लगातार सैंक्शन लगा रहा है। ये दोनों देश इस समय अमेरिकी प्रतिबंधों और दबाव का सामना कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। वहीं ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम और पश्चिम एशिया के हालात को लेकर तनाव बना हुआ है। ऐसे में अगर भारत इन देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करता है तो यह अमेरिका की रणनीतिक नजर में अहम घटनाक्रम होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की यात्रा भी कई मायनों में अहम होगी। वह पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भारत को विस्तार से जानकारी देंगे। साथ ही दोनों देश ऊर्जा, व्यापार और चाबहार बंदरगाह परियोजना जैसे मुद्दों पर आगे की रणनीति पर भी चर्चा कर सकते हैं। अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण पिछले कुछ सालों में भारत-ईरान व्यापार प्रभावित हुआ है।

इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ऐसे समय हो रहा

है, जब पश्चिम एशिया में ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच कई मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। संगठन के भीतर फिलिस्तीन और दो-राष्ट्र समाधान को लेकर भी अलग-अलग राय सामने आई है। माना जा रहा है कि भारत इन मतभेदों को कम करने में भी अहम भूमिका निभा सकता है। भारत पांच साल बाद ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

एमएसएमई से बनेगा देश सोने की चिड़िया, अर्थव्यवस्था को गति देने में युवा निभाएं भूमिका

आगरा। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो एमएसएमई का महत्व समझना होगा। युवा अब नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। कुछ ऐसी ही विचार शनिवार को अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव आगरा में सामने आए। कॉन्क्लेव का आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पॉलीवाल कैंपस स्थित जुबली सभागार में किया गया। रोजगार सृजन और एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए मंथन किया गया। एमएसएमई, केंद्र व राज्य वस्तु एवं सेवाकर, जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ ही उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। कॉन्क्लेव का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि नौ साल की उम्र में पहला पहला राजनीतिक भाषण चौधरी चरण सिंह का सुना था। देश की आत्मा गांव में रहती है। दूसरी पीढ़ी में उनके बेटे को उद्योगपति बनाया गया। तीसरी पीढ़ी वाला एमएसएमई में मंत्री है। स्किल जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब से आया हूं। हर दूसरा बच्चा कनाडा जाना चाहता है। पिछले दिनों उड़ता पंजाब फिल्म भी आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि खेती की एक सीमा है और उत्पादन की एक सीमा है। जींस पहनने वाली पीढ़ी अब हल नहीं चला रही। एमएसएमई की संभावना क्यों जरूरी है, इस ओर क्यों आना पड़ेगा? इसका कारण बताते हुए कहा कि अब जमीन भाइयों में बंटकर छोटी हो गई है। जमीन अब बढ़ नहीं सकती है। ऐसे में एमएसएमई का महत्व समझना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या ये है कि हमने सरकारी नौकरी को ही रोजगार मान लिया। बच्चे कभी एमएसएमई नहीं गए। इतनी योजनाएं है कि उनके नाम राजनेताओं को भी नहीं मालूम। उन्होंने कहा कि विदेशियों की किताबें क्यों पढ़ते हो। हमारे पास तो रियल हीरो हैं, जिनकी सफलता की कहानियां पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई बड़ा परिवर्तन आ सकता है तो व्यापार से आ सकता है। प्रो. बघेल ने कहा कि टीटीजेड सिर्फ आगरा के लिए है। एनजीटी ने नुकसान किया है, लेकिन हम पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगरा के कारोबारी सजग हैं, जो जन प्रतिनिधियों से अर्जी लगाते रहते हैं। उन्होंने आजादी के बाद हुए कुछ सबसे बड़े काम भी बताए। उन्होंने कहा कि घर में नल, नल में जल, आयुष्मान कार्ड, गैर-राजपत्रित नौकरियों में इंटरव्यू समाप्त करना सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि एमएसएमई से ही हमारा देश सोने की चिड़िया बन सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार में हम हजारों साल टॉप पर रहे। गांव-गांव में कुछ न कुछ बनता था। व्यापारी इनको इकट्ठा कर विदेश ले जाते थे। इसके बदले में सोना आता था। विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह कभी खुद को कमजोर न समझें। कॅरियर के लिए बहुत सारी फील्ड हैं। वह किसी भी फील्ड को चुन सकते हैं। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि अब देश बदल रहा है। वर्ष 2014 के बाद से देश में संपन्नता की स्थिति बनी है। देश और राज्य में कारोबार करने का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपने दिमाग में नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि एमएसएमई योजनाओं का लाभ उठाते हुए नौकरी देने वाले बनें। ये लेकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़ें। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि जब एमएसएमई की स्थापना हुई, लेकिन उस वक्त काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद इस पर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही विजन है कि एमएसएमई के जरिए छोटे उद्योगों को बढ़ावा दे सकते हैं। आज देश में एमएसएमई की पहचान बन चुकी है। वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशसन के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हम एक अलग तरीके से प्रमोट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश है, इस तरह प्रमोट करने का कई राज्यों में प्रयास किया गया।

कंपनी परिसर में युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, पेड़ से लटका मिला शव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र स्थित एक कंपनी में शनिवार सुबह को एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दीपक सदा निवासी थाना भरवरिया समस्तीपुर बिहार के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि सुबह करीब छह बजे सूचना मिली थी कि हबीवपुर में स्थित एक निजी कंपनी के परिसर में पेड़ से फंदा लगाकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का मुआयना कराया। मृतक के शव को देखकर प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने आत्महत्या की है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई और उनके सहयोग से शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता चलेगा। मामले की जांच जारी है। जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आत्महत्या का कारण क्या था।

युवक कंपनी परिसर में बने अन्य कर्मियों के साथ रहता था। जिस कंपनी में युवक ने आत्महत्या की है। वहां फूड प्रोडक्ट बनते हैं। युवक करीब नौ दिन पहले ही बिहार से काम के लिए आया था। मामले में मृतक के भाई को सूचित कर दिया गया है। अबतक कोई शिकायत नहीं मिली है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटका दिया। फिर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में

पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में मददगार है फिजियोथेरेपी

दिल्ली। स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में फिजियोथेरेपी मददगार है। सर्जरी, चोट और बीमारी के बाद शरीर की रिकवरी में भी फिजियोथेरेपी से सहायता मिलती है। यह दावा फिजियोथेरेपिस्ट का है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जब मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो सर्जरी के बाद शारीरिक तौर पर सक्रिय करने के लिए फिजियोथेरेपी की जरूरत होती है। कार्डियक रिहैब कार्यक्रम के तहत हृदय को मजबूत बनाने और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण दिया जाता है। बाईपास, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी कराने वाले मरीजों की भी फिजियोथेरेपी होती है। तीन-चार हफ्ते मरीज को सामान्य होने में लगते हैं। मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकी शक्ति, संतुलन, समन्व्य और लचीलापन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रम तैयार करने में विशेषज्ञ होते हैं। इसमें कुछ व्यायाम ऐसे होते हैं जिन्हें घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें कुर्सी से बैठने और खड़े होने के व्यायाम में स्क्वैट्स करना, खड़े होकर वस्तुओं तक पहुंचना, विभिन्न दिशाओं में कदम उठाना, अलग-अलग गति और परिस्थितियों में चलना शामिल है। इसके अलावा जमीन से उठना, चलना, योग और संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। वैश्विक तौर पर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 12 फीसदी लोगों में कमजोरी का मूल्यांकन किया गया है। लगभग 46 फीसदी लोगों में कमजोरी की पूर्व अवस्था मिली। इस कमजोरी को भी फिजियोथेरेपी की मदद से दूर किया जा सकता है। डॉ. पूजा सेठी बताया कि अस्पताल में आठ सितंबर को रोबोटिक स्कैनिंग लेजर और डीप ऑसिलेशन थेरेपी का शुभारंभ किया जा रहा है। रोबोटिक स्कैनिंग लेजर के जरिये पूरे शरीर की स्क्रीनिंग कर सकेंगे। इससे शरीर के दर्द वाले हिस्से की पहचान में मदद मिलेगी और लेजर से थेरेपी दी जा सकेगी। साथ ही

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोडने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

फैक्टरी में लिफ्ट गिरने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार दोपहर फैक्टरी की लिफ्ट टूट कर गिरने से कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के समय कर्मचारी राजेश (32) पांचवीं मंजिल पर लिफ्ट में सवार हुआ था। परिवार वालों ने फैक्टरी के सामने शव रखकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी राजेश बवाना पत्नी नीतू देवी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। वह सात साल से बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमसीसी बॉक्स बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। राजेश के बहनोई अनोज शाह ने बताया कि सोमवार करीब साढ़े तीन बजे उन्हें पुलिस से राजेश के घायल होने की जानकारी मिली। वाल्मीकि अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया है। घटनास्थल पर पता चला कि काम करने के दौरान राजेश पांचवीं मंजिल पर थे। इसी दौरान नीचे मौजूद कर्मचारियों ने लिफ्ट से सैंपल भेजने की बात कही। लिफ्ट के खुलते ही वह सैंपल निकालने लगे। इसी दौरान राजेश सहित लिफ्ट अचानक नीचे गिर गया। शुरुआती जांच में पता चला कि लिफ्ट का तार टूटने की वजह से हादसा हुआ है। उधर शव मिलने के बाद परिवार वाले उसे लेकर फैक्टरी के बाहर रखकर हंगामा करने लगे। परिवार वालों ने मुआवजे की मांग की। मालिक ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की बात कही है। उसके बाद परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार किया।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhaviksha Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYUR-DHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नूंह ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्राःतीन अगस्त को बंद रहेंगे सभी स्कूल

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले में आगामी तीन अगस्त को आयोजित होने वाली ब्रजमंडल जलाभिषेक शोभायात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर नूंह जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में तीन अगस्त को अवकाश घोषित किया है। जारी आदेशों के अनुसार, यात्रा के दौरान जिले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने और व्यापक सुरक्षा प्रबंधों को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। आदेश जिले के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों पर समान रूप से लागू रहेगा। गौरतलब है कि 3 अगस्त को ब्रजमंडल जलाभिषेक शोभायात्रा नूंह के नल्हड़ेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर फिरोजपुर झिरका के झिरकेश्वर महादेव मंदिर और पुन्हाना के श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर तक निकाली जाएगी। यात्रा को लेकर प्रशासन ने जिले में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल, अर्धसैनिक बल तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती की गई है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों और स्कूल संचालकों से आदेशों का पालन करने तथा बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

हरियाणा के राज्यपाल ने शहीद उधम सिंह के शहीदी दिवस पर अर्पित की पुष्पांजलि

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने लोक भवन में शहीद उधम सिंह के शहीदी दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि शहीद उधम सिंह का अदम्य साहस, अटूट राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद उधम सिंह ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जिस दृढ़ संकल्प और वीरता का परिचय दिया वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र अपने अमर शहीदों के बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीद उधम सिंह के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें तथा देश की एकता, अखंडता और गौरव को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य करें।

शहीद उधम सिंह का बलिदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमरःश्याम सिंह राणा

चंडीगढ़। शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में जिला यमुनानगर के रादौर में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा तथा कुरुक्षेत्र लोकसभा सांसद नवीन जिंदल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शहीदी दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि शहीद ऊधम सिंह का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, आत्मसम्मान और राष्ट्रप्रेम की अमर गाथा है। बचपन में ही माता-पिता का साया उठ जाने के बावजूद उन्होंने कठिन परिस्थितियों के सामने कभी हार नहीं मानी। इसलिए उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियाँ किसी महान व्यक्तित्व के निर्माण में बाधा नहीं, बल्कि प्रेरणा बन सकती हैं। इस अवसर पर नवीन जिंदल देश के महान क्रांतिकारी एवं शहीद ऊधम सिंह को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्र करवाने में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि आज जब हम आजाद भारत में साँस ले रहे हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह आजादी हमें ऊधम सिंह, शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद चंद्रशेखर आजाद जैसे अनेक क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान से मिली है। नवीन जिंदल कहा कि शहीद ऊधम सिंह के जन्म स्थल पर देश की आन-बान-शान का प्रतीक 108 फुट का तिरंगा लगाया जाएगा। शहीद ऊधम सिंह के जन्म स्थल पर तिरंगा हमारे शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

हरियाणा में बिल्डरों को राहत, बकाया ईडीसी चुकाने के लिए छह महीने मिले

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने लाइसेंस और चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) मामलों में एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज (ईडीसी) का बकाया चुकाने वाले बिल्डरों और डेवलपर्स को बड़ी राहत दी है। सरकार ने वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना 'समाधान से विकास-2021' की अवधि छह महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। सरकार ने देरी से भुगतान करने वालों पर आर्थिक दबाव भी बढ़ाया है। अब योजना के तहत जितनी देर से भुगतान होगा, उतना ही अधिक ब्याज और पेनल इंटरेस्ट देना पड़ेगा। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, 100 प्रतिशत मूलधन जमा करने वाले डेवलपर्स को अब बकाया ब्याज और पेनल इंटरेस्ट का निर्धारित हिस्सा जमा करना होगा, जो हर महीने 1 प्रतिशत बढ़ता जाएगा। इसी तरह 50 प्रतिशत मूलधन जमा करने वाले विकल्प में भी ब्याज की देनदारी हर महीने बढ़ेगी। यानी जो डेवलपर जल्दी योजना का लाभ उठाएंगे, उन्हें कम अतिरिक्त राशि चुकानी पड़ेगी। सरकार के अनुसार, यदि कोई डेवलपर 50 प्रतिशत मूलधन जमा करता है तो शेष 50 प्रतिशत राशि चार छमाही किस्तों में जमा कर सकेगा। हालांकि इस पर 8 प्रतिशत वार्षिक ब्याज और डिफॉल्ट की स्थिति में अतिरिक्त 2 प्रतिशत ब्याज देना होगा। पहली किस्त की गणना 50 प्रतिशत मूलधन और लागू ब्याज जमा करने की तारीख से होगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री बताएं कितनी घोषणाएं पूरी हुईः नायब सैनी

पंजाब के सनौर में सरदार उधम सिंह जी के 87वें शहीदी दिवस में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री से सवाल किया कि वे प्रदेश की जनता को बताएं कि पिछले विधानसभा चुनाव में की गई 56 घोषणाओं में से कितनी पूरी हुई हैं , अगले चुनाव होने में मात्र 4 माह शेष हैं,क्या वे सभी घोषणाओं को पूरा कर देंगे। सैनी पंजाब के सनौर में सरदार उधम सिंह जी के 87वें शहीदी दिवस पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सरदार उधम सिंह को नमन करते हुए कहा कि पंजाब में भाजपा सरकार ही सरदार उधम सिंह द्वारा युवाओं के विकास के लिए देखे गए सपनों को पूरा कर सकती है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि केवल नारों से नहीं नियत से राज्य का विकास होता है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर की भर्ती में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए आप सरकार को घेरा और इसे प्रतिभावान युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा बताया। उन्होंने कार्यक्रम में एक वक्ता द्वारा पंजाब सरकार ने 30

प्रतिशत चुनावी वायदे पूरे किये का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान बताएं कि उन्होंने गत चुनाव में की गई कितनी घोषणाओं को पूरा कर लिया है ? और क्या शेष 4 माह में बाकी घोषणाओं को पूरा कर देंगे। सैनी ने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार इसी भावना पर काम कर रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा किसानों,महिलाओं तथा युवाओं के हित में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में 217 संकल्प लिए थे जिनमें से 70 संकल्प तो मात्र डेढ़ साल में ही पूरे कर दिए हैं,बाकि के 147 संकल्प भी बहुत जल्द पूरे कर देंगे। उन्होंने पंजाब की जनता को शहीद सरदार उधम सिंह जी के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया और कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो महापुरुषों का सम्मान कर देश को विकसित और संस्कारित करने की दिशा में काम कर रही है।

नायब सिंह सैनी ने पंजाब की जनता में जोश भरते हुए कहा कि एक उधम सिंह ने इक्कीस वर्षों तक अपना संकल्प निभाया और एक साम्राज्य की नींव हिला दी। आज अगर साढ़े तीन करोड़ पंजाबी अपने संकल्प निभा लें, तो पंजाब की तकदीर बदलने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री परनीत कौर,कार्यक्रम के आयोजक हरदीप सिंह कंबोज, बाबा ब्रह्मदास जी महाराज, स्वामी राजेश्वरानंद महाराज , संत महेश मुनि जी महाराज समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस और तिरंगा यात्रा के लिए संयोजक और सह संयोजक नियुक्त किए

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 14 अगस्त को गुरुग्राम के लेजर वैली में होगा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम

एजेंसी

गुरुग्राम। 'हर घर तिरंगा' अभियान तथा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को प्रदेशभर में व्यापक स्तर मनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी हरियाणा ने संगठनात्मक तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने 14 अगस्त को गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित लेजर वैली में होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के लिए विभिन्न समितियों और पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां दी है। कार्यक्रम के साथ-साथ जिला, मंडल, विश्वविद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर भी श्रद्धांजलि सभाएं, प्रदर्शनी, संगोष्ठियां, संवाद कार्यक्रम और तिरंगा यात्राएं आयोजित की जाएंगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने बोधराज सीकरी को विभाजन विभीषिका दिवस आयोजन समिति का संयोजक नियुक्त किया है। वहीं पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा और निखिल मदान को सह-संयोजक तथा जगदीश चोपड़ा को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। यह समिति प्रदेश

स्तरीय कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाओं और समन्वय का दायित्व संभालेगी। युवा पीढ़ी को विभाजन के इतिहास से जोड़ने के उद्देश्य से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने इन कार्यक्रमों की जिम्मेदारी राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, विधायक विनोद भयाना, महापौर प्रवीण पोपली, हरविंद्र कोहली और विशाल सेठ को दी है। विभाजन विभीषिका के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाटिकाओं और सोशल मीडिया अभियान की जिम्मेदारी डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी तथा राजू बिरमानी को सौंपी गई है। वहीं वीडियो क्लिप तैयार करने का दायित्व गार्गी कक्कड़ और सतीश जग्गा को दिया गया है। कार्यक्रमों के लिए भाषण बिंदु और विषय सामग्री तैयार करने की जिम्मेदारी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, ललित बत्रा और भारत भूषण मिड्ढा निभाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने महेश चौहान को तिरंगा यात्रा का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। सभी मंडलों में संयोजक और सह-संयोजकों की नियुक्ति की गई है। प्रत्येक मंडल में तीन से चार कार्यकर्ताओं की टोली बनाई जाएगी जो तिरंगा यात्रा के संचालन और जनसंपर्क की जिम्मेदारी निभाएगी।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने बताया कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से देश के विभाजन के दौरान लाखों लोगों द्वारा झेली गई पीड़ा, उनके संघर्ष और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा।

ट्यूबवेल के पानी की जांच करवाकर किसान फसल उत्पादन को बढ़ाएंः दिनेश लुहाच

एजेंसी

गुरुग्राम। किसान अपने खेतों के ट्यूबवेल के पानी की नियमित रूप से जांच अवश्य करवाएं। सिंचाई के पानी की गुणवत्ता फसल उत्पादन और उपज को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। पानी में अधिक लवणता (नमक की मात्रा) और क्षारीयता होने से मिट्टी की उर्वरता तथा उत्पादन क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। यह बात पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच ने किसानों से अपील करते हुए कही। एसडीएम दिनेश लुहाच ने कहा कि समय पर ट्यूबवेल के पानी की जांच कराने से किसान सही फसल का चयन कर सकते हैं और खाद व उर्वरक का सही और संतुलित प्रबंधन कर सकते हैं। एसडीएम ने किसानों को ट्यूबवेल के पानी का नमूना (सेंपल) लेने का सही तरीका बताते हुए कहा कि किसान ट्यूबवेल को कम से कम 30 मिनट तक लगातार चलाने के बाद ही पानी का सेंपल लें। इसके लिए लगभग 500 मिलीलीटर (या एक लीटर) पानी एक साफ प्लास्टिक की बोतल में भरें। बोतल के ऊपर किसान अपना नाम,

एम.एफ.एम.बी. (मेरी फसल-मेरा ब्योरा) आईडी, गांव का नाम, किला/खसरा नंबर, मोबाइल नंबर और बोरवेल की गहराई (फीट में) स्पष्ट रूप से अंकित करें। तैयार किए गए इस नमूने को किसान अपनी निकटतम मृदा स्वास्थ्य जांच प्रयोगशाला (सॉइल टेस्टिंग लैब) में जमा करवा सकते हैं। एडीएम ने किसानों से आग्रह किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर ही वे फसलों का चुनाव करें और सिंचाई जल का उचित प्रबंधन अपनाएं। योजना एवं प्रयोगशालाओं की अधिक जानकारी के लिए कृषि उप-निदेशक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

मतदाता सूची का प्रारम्भिक प्रकाशन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण : डीसी वर्षा खांगवाल

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि एसआईआर अभियान के चलते निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार प्रारूप फोटो युक्त मतदाता सूचियों के प्रकाशन की प्रकिया पूरी कर ली गई है,मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में चैक कर लें। उन्होंने कहा कि प्रारम्भिक मतदाता सूची का प्रकाशन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है तथा सभी राजनीतिक दल एवं नागरिक इसमें सक्रिय भागीदारी निभाते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करें। डीसी लघु सचिवालय सभागार में एसआईआर 2026 के चलते राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रही थी। इस बीच उन्होंने प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन करते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उसकी प्रतियां वितरित कीं। बैठक में एसडीएम बादली विशाल कुमार ने निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम एवं दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी साझा की। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि 1 जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए एसआईआर अभियान चलाया जा रहा है,जिन नागरिकों की आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, वे अपना वोट बनवा सकते

है,वोट बनवाने संबंधी कार्यो में राजनीतिक दलों का सहयोग जरूरी है। साथ अगर किसी व्यक्ति का वोट कारणवश कट गया है,तो निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने उपरांत वोट बनाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अधिकारियों को नवीन दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। इसकी शुद्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग की हिदायतों का पालन करते हुए जिला में मतदाता सूची के इस अभियान को सफल बनाएं। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ है तो उसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मतदाता 30 अगस्त 2026 तक संबंधित बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता यह न समझे कि उसका वोट स्थायी रूप से कट गया है।

जल संरक्षण का संदेश देती पुस्तक 'एक बूंद सौ सवाल' का हुआ विमोचन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा निवास चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने प्रसिद्ध लेखिका डा. शमीम शर्मा और उनकी पुत्रवधू डा. सरिता शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक 'एक बूँद सौ सवाल' का विमोचन किया और दोनों लेखिकाओं को इस अनुपम कृति के लिए बधाई दी।

डॉ. अग्रवाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि इसमें पानी के सभी आयामों ऐतिहासिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण को बेहद सरल और सुंदर शैली में पिरोया गया है। यह पुस्तक हर आयु वर्ग के लिए अत्यंत पठनीय और उपयोगी है। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने हाल ही में उद्योग विभाग की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य में किसी भी नए इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट या पार्क की मंजूरी से पहले जल की उपलब्धता और उसकी व्यावहारिकता का आकलन अनिवार्य

कर दिया गया है। साथ ही, औद्योगिक इकाइयों के लिए जल का संरक्षण जरूरी है, ताकि भूमिगत जल दोहन को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक अर्ध-शुष्क प्रदेश है, जहां जल का हमेशा से सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व रहा है। हमारी पुरानी परंपराओं (जैसे कुआँ-पूजन) और स्वच्छता के नियमों को धर्म से इसलिए जोड़ा गया था ताकि लोग पानी को प्रदूषित न करें और जलजनित बीमारियों से सुरक्षित रहें। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि आज युवाओं की भाषा में एक शून्यता आ गई है। अपनी मातृभाषा के प्रति गर्व का बोध होना बेहद ज़रूरी है। हिंदी देश को जोडने वाली प्रमुख भाषा है और इसे सहेजने के लिए 'एक बूंद सौ सवाल' जैसी सरल, गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक पुस्तकों का अधिक से अधिक सृजन होना चाहिए।

अपने परिवार की तरह ही देश को भी दें सर्वोच्च प्राथमिकताः हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा में महिला सशक्तीकरण विषय पर केंद्रित युवा संवाद का आयोजन किया गया। शहीद ऊधम सिंह के शहीदी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश के 14 से अधिक राज्यों से आए करीब 90 युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरियाणा विधान सभा और स्वयंसेवी संस्था 'राजधानी युवा संसद', नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस संवाद का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्र निर्माण और महिला सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों के साथ-साथ देशहित को भी समान प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपने और अपने परिवार के भविष्य के लिए योजनाएं बनाता है, उसी प्रकार राष्ट्र के विकास और प्रगति के बारे में भी गंभीरता से सोचना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। विधान सभा अध्यक्ष ने प्रतिभागियों को कैपिटल कॉम्प्लेक्स और हरियाणा विधान सभा के इतिहास से परिचित करवाते हुए संसदीय लोकतंत्र में विधायिका की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से

प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 6 मार्च, 1961 को पहली बार कैपिटल कॉम्प्लेक्स स्थित इस ऐतिहासिक विधान भवन में सदन की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने कहा कि यह भवन अनेक ऐतिहासिक निर्णयों, दूरदर्शी नीतियों और महान नेताओं के विचार-विमर्श का साक्षी रहा है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय संस्कृति में आदिकाल से मातृशक्ति को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के हाथों में निहित है। जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि जितने अधिक जागरूक, उत्तरदायी और संवेदनशील होंगे, लोकतांत्रिक व्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी।विषय प्रस्तुति के आधार पर प्रथम स्थान पर मनस्वी, द्वितीय स्थान पर तनिक, तृतीय स्थान पर ओसीन शर्मा तथा चौथे स्थान पर भूमिका त्यागी रही। कार्यक्रम में राजधानी युवा संसद की सह-संस्थापक अधिवक्ता ईशा कपूर तथा सह-संस्थापक अधिवक्ता जय सैनी समेत अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

जलभराव प्रबंधन के लिए इंजीनियरिंग एवं स्वच्छता की संयुक्त टीमें की तैनात

एजेंसी

गुरुग्राम। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नगर निगम गुरुग्राम की व्यापक तैयारियां हैं। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी आदेशों के अनुसार शहर के सभी चिन्हित वॉटर लॉगिंग हॉटस्पॉट्स पर इंजीनियरिंग एवं स्वच्छता शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त तैनाती की गई है। प्रत्येक हॉटस्पॉट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नामवार ड्यूटी निर्धारित करते हुए विस्तृत रोस्टर जारी किया गया है। आदेशों के अनुसार सभी तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र में नालों, ड्रेनों, गलियों, कल्वर्ट तथा अन्य जल निकासी तंत्र की समयबद्ध सफाई एवं डी-सिल्टिंग सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार पंप, सुपर सकर मशीन, जेसीबी, टैंकर एवं अन्य मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित कर जलभराव की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करेंगे। नगर निगम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे मानसून प्रबंधन सेल एवं कंट्रोल रूम के साथ लगातार समन्वय बनाए रखें, नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान करें तथा वर्षा के दौरान चिन्हित हॉटस्पॉट्स की लगातार निगरानी करते हुए जलभराव रोकने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाएं। सभी अधिकारियों को नियमित फील्ड रिपोर्ट तथा जियो-टैग्ड फोटो एवं वीडियो भी उपलब्ध कराने होंगे। आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि बिना सक्षम अनुमति के कोई भी अधिकारी या कर्मचारी वर्षा अथवा आपातकालीन स्थिति के दौरान अपने निर्धारित स्थल को नहीं छोड़ेगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही, देरी या निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में विफलता को गंभीरता से लिया जाएगा तथा संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा जारी हॉटस्पॉट सूची में सभी आठ जोनों के प्रमुख जलभराव संभावित स्थलों को शामिल किया गया है। प्रत्येक स्थल पर संबंधित कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक, सहायक सफाई निरीक्षक तथा स्वच्छता सुपरवाइजर की जिम्मेदारी तय की गई है, ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

डीसी उत्तम सिंह ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 कार्यक्रम के तहत डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-1) के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद अपनाई जाने वाली प्रक्रिया, दावे एवं आपत्तियों की समयावधि तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई।

डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 31 जुलाई को किया जा चुका है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, नाम हटाने अथवा अन्य दावे एवं आपत्तियां 31 जुलाई से 30 अगस्त 2026 तक निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के पास दर्ज कराई जा सकती हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 सितंबर 2026 तक किया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 3 अक्टूबर 2026 को होगा।

उन्होंने बताया कि जिन नागरिकों की आयु 1 जुलाई 2026 को 18 वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है तथा जिनका नाम किसी भी विधानसभा

क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकते हैं। इसी प्रकार किसी मतदाता का नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम, पता, फोटो या अन्य विवरण में संशोधन अथवा स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 निर्धारित अवधि के दौरान संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा कराया जा सकता है।

डीसी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति सुनिश्चित करें और अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने, आवश्यक संशोधन कराने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सभी पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें, ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

हरियाणाः दो लाख मतदाताओं की एक से अधिक स्थानों पर वोट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के बाद निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी कर दिया। 15 जून से 31 जुलाई तक चले अभियान के अंतर्गत 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार 929 मतदाताओं में से 34 लाख मतदाता ऐसे हैं, जो धरातल पर मौजूद नहीं मिले। इन मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए हैं, जिसके बाद राज्य निर्वाचन विभाग ने प्रारंभिक मतदाता सूचियों का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। इन सूचियों के आधार पर 30 अगस्त तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की स्थिति में ऐसे मतदाताओं के नाम दोबारा मतदाता सूचियों में जोड़े जा सकेंगे। इसके लिए इन मतदाताओं को अपने प्रत्यक्ष मौजूद होने का प्रमाण देना होगा। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान प्रदेश के 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार 929 पंजीकृत मतदाताओं में से 1 करोड़ 72 लाख 72 हजार 627 (83.64 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए। जिन पात्र नागरिकों का नाम किसी कारणवश सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे निर्धारित घोषणा-पत्र के साथ प्रपत्र-6 भरकर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। सभी दावों और आपत्तियों का निपटारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। एसआईआर अभियान के अंतर्गत हरियाणा में 24.30 लाख मतदाता स्थानांतरित, अनुपस्थित अथवा अन्य श्रेणियों में मिले, जबकि 7.66 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो गई है, जिस कारण उनके नाम मतदाता सूचियों से काट दिए गए हैं। 2.04 लाख मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज पाए गए। अभियान पूरा होने के बाद प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों की प्रारंभिक निर्वाचक नामावली प्रकाशित कर दी गई।

1991 के सुधारों से बदला भारत का ऑटो सेक्टर- मुट्ठी भर कंपनियों से वैश्विक हब तक

मुंबई ।

भारत का वाहन उद्योग कभी चंद कंपनियों के दबदबे वाला बाजार था, जहाँ बाहरी खिलाड़ियों को प्रवेश की अनुमति नहीं थी। मगर 1991 के ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों ने बंद पड़े बाजार को वैश्विक वाहन निर्माण के सबसे बड़े केंद्रों में से एक बना दिया। दशकों से अनेक बाधाओं से जूझ रहे इस क्षेत्र में उदारीकरण के साथ ही विदेशी निवेश, विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और तीव्र प्रतिस्पर्धा का दौर शुरू हुआ। बाजार के खुलने से घरेलू कंपनियों पर अपने उत्पादों को उन्नत बनाने का दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप एक मजबूत कलपुर्जा उद्योग विकसित हुआ और ग्राहकों को ढेरों विकल्प मिले। आज, उदारीकरण के 35 साल बाद, वाहन क्षेत्र इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि आर्थिक सुधारों ने भारतीय विनिर्माण की तस्वीर कैसे बदल दी।यद्यपि भारत की व्यापक अर्थव्यवस्था 1991 में खोली गई, वाहन उद्योग को लाइसेंस व्यवस्था से वास्तविक मुक्ति 1993 में मिली। विदेशी निवेश पर लगे प्रतिबंधों को कम किया गया ताकि वैश्विक कार निर्माता आसानी से प्रवेश कर सकें। हालांकि, इसका असर तुरंत नहीं दिखा। जानकार बताते हैं कि नई नीतियां लागू होने पर उनका प्रभाव तुरंत सामने नहीं आता।

वैश्विक कंपनियों को बाजार को समझने, सरकारों से संवाद स्थापित करने, कारखाने लगाने और आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करने में समय लगता है। इसीलिए वाहन उद्योग पर उदारीकरण का असली प्रभाव 6-7 साल बाद ही नजर आया। 1990 के दशक के अंत तक, फोर्ड, होंडा, जनरल मोटर्स, हुंडई, टोयोटा और दाएवू जैसी कई नामी-गिरामी कार कंपनियों ने भारतीय बाजार में कदम रखा। ये कंपनियां उस समय दुनिया के अंतिम बड़े और अछूते वाहन बाजार में मौजूद विशाल संभावनाओं से आकर्षित होकर भारत आईं थीं।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम?

नई दिल्ली,।

ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे? क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है? जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

केंद्र ने राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़ रुपए, पूंजीगत खर्च और विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली,

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 31 जुलाई की अंतिम तिथि तक 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए। विभाग ने समय पर रिटर्न दाखिल करने वाले सभी करदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इसे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आयकर विभाग ने कहा, ÷धन्यवाद, करदाताओं! एवाई 2026-27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए। आपका विश्वास और समय पर कर अनुपालन भारत की विकास यात्रा को गति देता है।

अगस्त माह में 14 दिन रहेंगे बैंक बंद, कुछ राज्यों में खास दिन भी रहेगी छुट्टी

नई दिल ली।

इस महीने बैंक करीब आधा महीना बंद रहेंगे. ऐसा न हो कि आप बैंक ब्रांच चले जाएं और उस दिन बैंक की छुट्टी हो और आपको बैरंग वापस लौटना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक के छुट्टी के कैलेंडर के मुताबिक सा े ताहिक अवकाश और कुछ प्रमुख े योहारों और दिवसों के चलते बैंक इस महीने 14 दिन बंद रहेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी और केनरा बैंक जैसे सरकारी बैंकों से लेकर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक जैसे प्राइवेट बैंक भी बंद रहेंगे। सभी रा े यों में 14 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय े तर की होने से कुछ खास दिन किसी एक रा े य में तो अवकाश हो सकता है लेकिन दूसरे राज्य में बैंक खुले रहेंगे।

2 अगस्त (रविवार) साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 4 अगस्त केर पूजा पर केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 8 अगस्त शनिवार को महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश रहेंगे। 9 अगस्त रविवार पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 13 अगस्त पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी रहेगी। 16 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 19 अगस्त को महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की

वजह से अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त शनिवार महीने का चौथे शनिवार की सा े ताहिक छुट्टी रहेगी। 23 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 25 अगस्त को मिलाद-उन-नबी/पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

28 अगस्त को रक्षाबंधन/श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक में अवकाश रहेगा 30 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।

सीबीआई का अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल पर बड़ा एक्शन, ईपीएफओ के 1,816 करोड़ रुपए के निवेश घोटाले में दर्ज किया एफआईआर

नई दिल्ली,

1 अगस्त (आईएएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, उसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ 1,816.22 करोड़ रुपए के कथित ईपीएफओ निवेश घोटाले में एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी का आरोप है कि आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों के जरिए 1,007.55 करोड़ रुपए का गलत नुकसान पहुंचाया गया, जबकि इस पर 808.67 करोड़ रुपए की ब्याज देनदारी भी जुड़ गई। सीबीआई के अनुसार, यह एफआईआर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2013 और 2014 के दौरान रिलायंस कैपिटल लिमिटेड ने सिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए थे, जिनमें ईपीएफओ ने चार पोर्टफोलियो मैनेजरों, जिनमें रिलायंस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड भी शामिल थी, के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इन एनसीडी की परिपक्वता (मेच्योरिटी) 2023 और 2024 में होनी थी। हालांकि, शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी लेनदेन किए और निवेश की गई राशि का दुरुपयोग तथा दूसरी जगह डायवर्ट किया। इसके कारण रिलायंस कैपिटल एनसीडी का भुगतान (रिडेम्शन) नहीं कर सकी, जिससे ईपीएफओ को कुल 1,816.22 करोड़ रुपए का कथित नुकसान हुआ।

माह के पहले दिन सरकार का तोहफा, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के घटाए दाम

14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली,।

अगस्त शुरु होते ही खुशखबरी आई। सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट घटा दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में कीमत 202 रुपए की कटौती की गई है। कोलकाता में रेट 209 रुपए घटाया गया है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।कमर्शियल सिलेंडर का रेट घटने से रेस्टोरेंट, होटल और चाय का ठेला लगाने वाले ऐसे लोगों को फायदा होगा। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर अब दिले ली में अब 2,728 रुपए में मिलेगा। पहले इसका रेट 2,930 था। पटना में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 209 रुपए कम होकर अब 3,018 रह गया है। पहले यह 3,227 का था। लखनऊ में 2,860.50 रुपए का मिलेगा। इस बार घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उपभोक्ताओं को पहले की ही दरों पर सिलेंडर मिलेगा।

आरबीआई की स्वैप योजना से बैंकों ने जुटाए रिकॉर्ड 41 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई रियायती स्वैप सुविधा को बैंकों और निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जिसके तहत 31 जुलाई तक देश के बैंकों ने करीब 41 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है। यह रकम मुख्य रूप से एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट से आई है, जिससे 36.7 अरब डॉलर जुटाए गए। इसके अलावा, ओवरसीज फॉरेन करंसी बॉरोइंग (ओएफसीबीएस) के जरिए 2.57 अरब डॉलर और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबीएस) के माध्यम से 1.5 अरब डॉलर का फंड मिला। खास बात यह है कि योजना शुरू होने के दो महीने से भी कम समय में 2013 के 34 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट रिकॉर्ड को तोड़ चुकी है। आरबीआई को इस स्कीम में उम्मीद से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिला है, खासकर जुलाई के दूसरे पखवाड़े में फंड जुटाने की रफ्तार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जहां 17 जुलाई तक इस स्कीम के तहत सिर्फ 20.72 अरब डॉलर ही जुटाए गए थे, वहीं महज कुछ दिनों में यह आंकड़ा 41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकार और एसबीआई रिसर्च ने भी अपने अनुमान बढ़ा दिए हैं; अब कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह 80 से 85 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें एफसीएनआर से 65 से 70 अरब डॉलर आने का अनुमान है।

इस फंड जुटाने में सरकारी बैंकों ने, खासकर अपने मजबूत नेटवर्क का फायदा उठाते हुए, बड़ी भूमिका निभाई है, वहीं एचएसबीसी जैसे बड़े विदेशी बैंकों ने भी अहम योगदान दिया। अगस्त और सितंबर में मैच्योर होने वाले पुराने एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट के नवीनीकरण से लगभग 10 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा आने की भी संभावना है।

झयह रियायती स्वैप सुविधा रुपये पर बढ़ते दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और डॉलर की बढ़ती मांग के बीच भारतीय रुपये को सहारा देने और देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने की आरबीआई की रणनीति का हिस्सा है। इस स्कीम के तहत, आरबीआई बैंकों को डॉलर-रुपया स्वैप की सुविधा दे रहा है, जिससे उनके लिए विदेशों से डॉलर में फंड जुटाना पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो गया है।

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 2.11 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना बेहद उत्साहजनक खबर लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस महीने एक नई ऊंचाई छूते हुए 2.11 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में सकल जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.4 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 2.11 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी 15.8 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल जुलाई के 1.83 लाख करोड़ रुपये (सकल) और 1.57 लाख करोड़ रुपये (शुद्ध) के मुकाबले काफी अधिक है, जो आर्थिक गतिविधियों में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है।जुलाई के जीएसटी आंकड़े मुख्य रूप से जून महीने की आर्थिक लेन-देन और कारोबारी गतिविधियों को दर्शाते हैं। अगर जून के 1.95 लाख करोड़ रुपये के सकल कलेक्शन से तुलना करने पर जुलाई में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार से बढ़ा है। इसी तरह, शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी जून के 1.62 लाख करोड़ रुपये से 11.6 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो लगातार बढ़ती आर्थिक गति का प्रमाण है।इस उछाल में सबसे बड़ा योगदान विदेश से होने वाले आयात पर लगने वाले टैक्स का रहा। आयात पर लगने वाला सकल जीएसटी सालाना आधार पर 28.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 66,511 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, घरेलू कारोबार से मिलने वाला सकल जीएसटी कलेक्शन भी 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल जीएसटी रिफंड 13.1 फीसदी बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) में सकल जीएसटी कलेक्शन 10.1 फीसदी बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध कलेक्शन 9.2 फीसदी बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।टैक्स और अर्थव्यवस्था के जानकारों का मानना है कि घरेलू मांग में लगातार मजबूती, बढ़ते आयात और टैक्स नियमों के बेहतर पालन की वजह से जुलाई में जीएसटी कलेक्शन के इतने शानदार आंकड़े सामने आए हैं। जानकार के अनुसार, जीएसटी कलेक्शन में लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि साबित करती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

इसका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और समान प्रोसेस तय करना

नई दिल्ली,। फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्मॉल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा।फिक्स्ड डिपॉजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपॉजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। अगर किसी वजह से देरी होती है, तो अधिकतम 10꞉10 बजे तक यह जानकारी देनी होगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपॉजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग ऑफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर 3꞉40 बजे तक की

अब निवेशकों को क्लोजिंग के अलग-अलग शेड्यूल का पालन करना होगा

नई दिल्ली,।

3 अगस्त 2026 से सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) योग्य फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) स्टॉक्स के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू करेंगे, जिससे क्लोजिंग प्राइस तय करने का तरीका बदल जाएगा। इसके साथ ही फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर शाम 3꞉40 बजे तक कर दी जाएगी। इस फैसले से ट्रेडर्स को अपने खुले सौदों की हेजिंग, इंट्राडे पोजिशन बंद करने, एक्सपायरी डे की अस्थिरता संभालने का मौका मिल जाएगा। इसके अलावा, क्लोजिंग ऑक्शन के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का अतिरिक्त समय भी मिलेगा।

इस नई व्यवस्था के तहत अब सभी शेयरों का बाजार एक ही समय पर बंद नहीं होगा। अगर आप गैर-एफएंडओ शेयरों में ट्रेडिंग करते हैं तो पहले की तरह ही टाइमिंग है यानी ट्रेडिंग 3꞉30 बजे तक चलेगी। इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस शेयरों में नियमित ट्रेडिंग 3꞉15 बजे तक होगी, जिसके बाद 3꞉35 बजे तक क्लोजिंग ऑक्शन सेशन चलेगा। दूसरी ओर स्टॉक और इंडेक्स एफएंडओ की ट्रेडिंग 3꞉40 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 3꞉50 से 4꞉00 बजे तक पोस्ट-क्लोज सेशन होगा।

पेनी स्टॉक निवेशकों को इस बार देगी सात बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं

2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था

नई दिल्ली,।

पेनी स्टॉक जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। सात महीने में कंपनी दूसरी बार बोनस शेयर दे रही है। इस बार कंपनी की तरफ से सात शेयर बोनस के तौर पर मिलेंगे। बता दें इस पेनी स्टॉक का दाम शुक्रवार को मार्केट क्लोजिंग के समय पांच रुपये से भी कम था। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में पेनी स्टॉक ने बताया कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले 24 शेयर पर सात शेयर बोनस के तौर पर निवेशकों को मिलेगा। इस बोनस इश्यू के लिए जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने अभी रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं किया है।आखिरी बार कंपनी के शेयर 2026 में एक्स-बोनस ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को 40 शेयर पर पांच शेयर बोनस के तौर पर मिला था। 2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। 2022 में कंपनी की तरफ से 23 शेयर पर 4 शेयर बोनस मिला था। 2021 में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 37 शेयर पर पांच शेयर बोनस दिया था। बता दें पेनी स्टॉक की तरफ से पहली बार निवेशकों को 2019 में बोनस शेयर दिया गया था। तब कंपनी ने 25 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। कंपनी ने 2025 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.10 रुपए का डिविडेंड दिया था।रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.57 फीसदी की गिरावट के बाद 3.75 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था। बीते दो हफ्ते कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। एक साल में इस स्टॉक का दाम 55 फीसदी गिरा है।

देश के सात प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट बिक्री तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट हुई

बैंगलुरु ने मुंबई-दिल्ली को पीछे छोड़ा, वहां सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट बिके

नई दिल्ली,।

देश में अपार्टमेंट और फ्लैट की बिक्री में बूम आ रहा है। खासकर शहरी इलाकों में अपार्टमेंट ही खरीदी लोगों की पहली पसंद बन गई हैं। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के सात प्रमुख शहरों में साल 2026 की पहली छमाही में अपार्टमेंट बिक्री सालाना आधार पर तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट पहुंच गई। बैंगलुरु में सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट की बिक्री हुई।

अभी तक दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के दबदबे को बैंगलुरु ने चुनौती दी है।

आंकड़ों के मुताबिक देश के आवासीय बाजार ने इस साल की पहली छमाही में मजबूती दिखाई। सात प्रमुख शहरों में आवासों की बिक्री सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट रही। इन सात शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं। मुंबई में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे शहर और नवी मुंबई शामिल हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और सोहना शामिल हैं।

आंकड़ों में केवल अपार्टमेंट को शामिल किया गया है। रॉ-हाउस, विला और भूखंड आधारित परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया है।

जनवरी-जून की अवधि में बैंगलुरु में अपार्टमेंट की बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी से बढ़कर 35,017 यूनिट पहुंच गई, जो व्यापक चुनौतियों के बावजूद बाजार की मजबूती को दर्शाता है। इस दौरान नए फ्लैट की सप्लाई भी 41 फीसदी बढ़कर 48,748 यूनिट हो गई। आवासीय सेवाओं के प्रमुख ने कहा कि लगातार शहरीकरण, बुनियादी ढांचा विकास और बढ़ती डिमांड के कारण हाउसिंग सेग्मेंट के बुनियादी कारक मजबूत बने हुए हैं और यही मकान खरीदने के फैसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। ग्राहकों को अपार्टमेंट में ज्यादा बेहतर सुविधाएं मिलती हैं जिसकी वजह से उन्हें जमीन और विला वाले प्रोजेक्ट के मुकाबले इस तरह की हाउसिंग की डिमांड ज्यादा रहने लगी है।

त्योहारों से पहले लोगों को लगेगा झटका! टूथपेस्ट, सर्फ, पेंट सब हो जाएंगे महंगे

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की कर रहीं तैयारियां

नई दिल्ली,।

मानसून विदा होते ही भारतीय े योहारों की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। घर के रंग-रोगन कराने से लेकर रसोई में नए सा े जो-सामान लाने की योजना बनने लगेगी, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव आने वाले े योहारी सीजन में आम उपभोक्े ता के जेब पर भारी पड़ सकता है। इसका कारण है कि टूथपेस्ट, कपड़े धोने के सर्फ और घर की दीवारों पर लगने वाले पेंट से लेकर टायरों तक के दाम बढ़ाने की कंपनियां तैयारी कर रही हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेस्टिव सीजन से पहले एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां लगातार दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की सोच रही हैं।

एक रिपोर्ट में अनुसान लगाया है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, हैवेल्स और डोडला डेयरी समेत कम से कम 8 बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्े ट्स की कीमत बढ़ाएंगी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से कच्चे माल और कमोडिटी की लागत बढ़ गई है। इससे कंपनियों के खर्च में इजाफा हुआ है। बढ़े हुई कीमत का भार कंपनियां आम आदमी पर डालेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने संकेत दिया है कि अगले कुछ महीनों में डिटर्जेंट और बर्तन धोने वाले बार जैसे उत्पादों की कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की जाएगी।

संसद का रंगमंच, प्रतीकों की राजनीति और लोकतंत्र की बदलती भाषा

कुमार कृष्णन

यह घटना केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं थी। इसके पीछे एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश था। विपक्ष राजनीतिक चंदे की व्यवस्था, चुनावी वित्तपोषण और सत्ता तथा पूंजी के संबंधों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करना चाहता था। यह प्रदर्शन प्रत्यक्ष आरोपों की बजाय प्रतीकों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास था।

भारतीय संसद को लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर कहा जाता है। यहां कानून बनते हैं, नीतियां तय होती हैं और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में संसद केवल विधायी बहसों का मंच नहीं रह गई है। वह राजनीतिक प्रतीकों, दृश्यात्मक विरोधों और कैमरों के सामने रचे जाने वाले संदेशों का भी केंद्र बन गई है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा परिसर में विपक्ष द्वारा प्रस्तुत चंदा चोरी का सांकेतिक नाटक इसी बदलते राजनीतिक दौर की एक महत्वपूर्ण झलक है।

शुक्रवार को संसद परिसर में जो दृश्य सामने आया, वह सामान्य संसदीय विरोध से अलग था। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर पुजारी के वेश में पहुंचे। उनके सामने एक दानपात्र रखा गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वहां आए और प्रतीकात्मक रूप से उसमें चंदा डाला। कुछ क्षण बाद पुजारी बने पप्पू यादव दानपात्र लेकर भागने लगे। पीछे से विपक्षी सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया और चंदा चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए। कुछ मिनटों का यह दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया और संसद की औपचारिक बहसों से अधिक चर्चा इसी प्रदर्शन की होने लगी।

यह घटना केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं थी। इसके पीछे एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश था। विपक्ष राजनीतिक चंदे की व्यवस्था, चुनावी वित्तपोषण और सत्ता तथा पूंजी के संबंधों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करना चाहता था। यह प्रदर्शन प्रत्यक्ष आरोपों की बजाय प्रतीकों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास था।

दरअसल, राजनीति में प्रतीकों की शक्ति अत्यंत गहरी होती है। इतिहास गवाह है कि कई बार प्रतीक लंबे भाषणों से अधिक प्रभावी सिद्ध हुए हैं। महात्मा गांधी का दांडी मार्च केवल नमक कानून तोड़ने का अभियान नहीं था; वह औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वाभिमान का प्रतीक बन गया। जयप्रकाश नारायण की रैलियां केवल राजनीतिक सभाएं नहीं थीं; वे व्यवस्था परिवर्तन की सामूहिक आकांक्षा का दृश्य थीं। अन्ना हजारे का गांधी टोपी पहनना हो या किसानों का ट्रैक्टर लेकर दिल्ली पहुंचना–इन सभी आंदोलनों ने प्रतीकों के माध्यम से अपनी बात व्यापक समाज तक पहुंचाई।

भारतीय राजनीति में संसद के भीतर और बाहर प्रतीकात्मक विरोध का लंबा इतिहास है। कभी सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे, कभी हाथों में हथकड़ियां लेकर, कभी संविधान की प्रतियां लहराईं, तो कभी महंगाई के विरोध में गैस सिलेंडर या सब्जियां लेकर प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष भी इससे अलग नहीं रहा है। विपक्ष में रहते हुए आज सत्ता में बैठे कई नेताओं ने भी संसद परिसर में इसी प्रकार के सांकेतिक प्रदर्शन किए थे। इसलिए संसद परिसर में विरोध का यह स्वरूप पूरी तरह नया नहीं है। नया केवल उसका दृश्यात्मक विस्तार है।

आज की राजनीति सोशल मीडिया के युग में प्रवेश कर चुकी है। पहले संसद की बहसें अगले दिन अखबारों के माध्यम से जनता तक पहुंचती थीं। अब संसद परिसर का तीस सेकंड का वीडियो कुछ ही मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे में राजनीतिक दलों की रणनीति भी बदल गई है। अब केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं माना जाता। उन्हें ऐसे दृश्य में बदलना भी आवश्यक समझा जाता है जो कैमरे पर प्रभावशाली लगे और सोशल मीडिया पर वायरल हो सके।

यही कारण है कि संसद परिसर अब राजनीतिक संप्रेषण का नया मंच बन गया है। यहां दिया गया हर दृश्य राजनीतिक संदेश का हिस्सा होता है। विपक्ष यह समझता है कि उसकी हर बात संसद के भीतर पूरी तरह सुनी जाए, यह आवश्यक नहीं; लेकिन यदि वही बात प्रतीकात्मक प्रदर्शन के माध्यम से कैमरे तक पहुंच जाए, तो उसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक हो सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में पप्पू यादव की भूमिका विशेष चर्चा का विषय रही। वे लंबे समय से अपनी अलग राजनीतिक शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी राजनीति केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहती। वे अक्सर जनभाषा, प्रतीकों और नाटकीय प्रस्तुतियों के माध्यम से संवाद स्थापित करते हैं। पुजारी के वेश में उनका संसद पहुंचना भी उसी शैली का विस्तार था। दूसरी ओर राहुल गांधी ने भी बिना लंबा भाषण दिए केवल दानपात्र में चंदा डालकर पूरे प्रदर्शन को राजनीतिक अर्थ प्रदान किया। यह आधुनिक राजनीतिक संप्रेषण की वह शैली है जिसमें दृश्य, शब्दों से अधिक प्रभावशाली बन जाता है।

लेकिन इस पूरे प्रसंग का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संसद केवल राजनीतिक संघर्ष का मंच नहीं है; वह संवैधानिक मयार्दाओं का भी प्रतीक है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक संस्थाओं की गरिमा भी है। यदि संसद परिसर लगातार राजनीतिक रंगमंच में बदलता गया, तो क्या गंभीर संसदीय विमर्श पीछे नहीं छूट जाएगा? यह चिंता निराधार नहीं है।

लोकसभा अध्यक्ष समय-समय पर सांसदों को संसद की गरिमा बनाए रखने की सलाह देते रहे हैं। संसदीय परंपराएं केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक आत्मसंयम से भी संचालित होती हैं। लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि असहमति किस भाषा और किस मयार्दा में व्यक्त की जाती है।

हालांकि यह भी सच है कि लोकतंत्र केवल औपचारिक गंभीरता का नाम नहीं है। व्यंग्य, नाटक और सांकेतिक अभिव्यक्ति भी लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। ब्रिटेन की संसद से लेकर यूरोप, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और ताइवान तक अनेक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सांसदों ने प्रतीकात्मक विरोध के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। कई बार ऐसे प्रदर्शन सार्वजनिक विमर्श को नई दिशा भी देते हैं।

भारत में भी संसद के बाहर और भीतर कई ऐसे प्रतीकात्मक प्रदर्शन हुए हैं जिन्होंने राष्ट्रीय बहस को प्रभावित किया। इसलिए हर नाटकीय प्रदर्शन को केवल नौटंकी कहकर खारिज करना उचित नहीं होगा। प्रश्न यह है कि क्या वह प्रदर्शन किसी वास्तविक सार्वजनिक मुद्दे को सामने ला रहा है या केवल राजनीतिक मनोरंजन का माध्यम बन रहा है। चंदा चोरी वाला यह नाटक भी इसी कसौटी पर परखा जाएगा। यदि इससे चुनावी वित्तपोषण, राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही पर गंभीर बहस आगे बढ़ती है, तो इसका लोकतांत्रिक महत्व होगा। लेकिन यदि यह केवल सोशल मीडिया की सुर्खियां बनकर रह जाता है, तो इसकी राजनीतिक उपयोगिता सीमित रह जाएगी।

आज भारतीय राजनीति में दृश्य प्रभाव की प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। चुनावी सभाओं से लेकर संसद परिसर तक हर जगह कैमरा निर्णायक भूमिका निभा रहा है। राजनीतिक दल जानते हैं कि जनता का एक बड़ा वर्ग अब लंबी बहसें नहीं, बल्कि छोटे वीडियो देखता है। इसलिए राजनीति भी उसी भाषा में संवाद स्थापित कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी।

अवसर इसलिए कि जटिल राजनीतिक प्रश्नों को सरल प्रतीकों के माध्यम से आम नागरिक तक पहुंचाया जा सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं राजनीति केवल प्रदर्शन तक सीमित न हो जाए और नीति, तर्क तथा तथ्य पीछे न छूट जाएं। लोकतंत्र का स्वास्थ्य केवल इस बात से तय नहीं होता कि कौन-सा वीडियो कितना वायरल हुआ, बल्कि इससे तय होता है कि संसद में कितनी गंभीर बहस हुई, कितनी जवाबदेही तय हुई और जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितने ठोस निर्णय लिए गए।

यह भी ध्यान रखना होगा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को अभिनय के लिए नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व के लिए भेजती है। अभिनय यदि संदेश को प्रभावी बनाता है तो उसका स्थान हो सकता है, लेकिन यदि वह वास्तविक विमर्श का विकल्प बन जाए, तो लोकतंत्र का नुकसान होगा। संसद की शक्ति उसकी बहसों, समितियों, कानून निर्माण और जवाबदेही में निहित है। राजनीतिक रंगमंच इन मूल दायित्वों का पूरक हो सकता है, प्रतिस्थापन नहीं।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक व्यापक प्रश्न भी खड़ा किया है। क्या भारतीय राजनीति अब विचारों से अधिक दृश्यों पर आधारित होती जा रही है? क्या चुनावी लोकतंत्र में कैमरे की उपस्थिति ने राजनीतिक व्यवहार को बदल दिया है? क्या राजनीतिक दल अब संसद के भीतर बोलने से अधिक संसद परिसर में दिखने की चिंता करने लगे हैं? इन प्रश्नों के उत्तर आने वाले वर्षों में भारतीय लोकतंत्र की दिशा तय करेंगे।

लोकतंत्र में प्रतीकों की अपनी जगह है और संसद की गरिमा की अपनी। दोनों के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सत्ता से कठिन प्रश्न पूछे। सत्ता का दायित्व है कि वह उन प्रश्नों का उत्तर दे। और संसद का दायित्व है कि वह इस पूरे संवाद को गरिमा, विवेक और संवैधानिक मयार्दा के साथ संचालित करे।

अंततः, संसद परिसर में खेला गया यह छोटा-सा नाटक केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था। यह उस दौर की तस्वीर है जिसमें लोकतंत्र कैमरों, सोशल मीडिया, प्रतीकों और दृश्य राजनीति के नए युग में प्रवेश कर चुका है। अब चुनौती यह है कि इस दृश्य राजनीति के बीच विचारों की राजनीति, नीति की राजनीति और जनहित की राजनीति कहीं धुंधली न पड़ जाए। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति अभिनय में नहीं, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और जनविश्वास में निहित है। यदि संसद इन मूल्यों को सुरक्षित रखती है, तो वह केवल लोकतंत्र का मंदिर ही नहीं, उसकी आत्मा भी बनी रहेगी।

संपादकीय

अब हवाई 'नाका'

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या ह्यहवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

ट्रंप का इजराइल और हमास के बीच समझौते का ऐलान

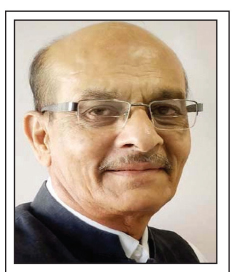
सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा किया है। इस दावे में उन्होंने कहा है, इजराइल और हमास के बीच में जल्द ही समझौता होने जा रहा है। हमास और उसके दूसरे सभी हथियारबंद संगठन अपने हथियार छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। इजराइल भी गाजा से हटाने के लिए तैयार हो गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा, कि गाजा का कंट्रोल अब फिलिस्तीन सरकार के हाथ में होगा। दोनों लोग मिलकर बोर्ड ऑफ पीस के साथ मिलकर काम करेंगे। इस समझौते के बाद इजराइल और गाजा के बीच में स्थाई शांति स्थापित होगी। एक-दूसरे के ऊपर कोई हमले नहीं होंगे। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि यह समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे ही हमास अपने हथियार छोड़ेगा इजराइल की सेना गाजा से वापस होना शुरू हो जाएगी। नई व्यवस्था फिलिस्तीन पुलिस गाजा के हाथ में होगी। टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार हमास के हथियार छोड़ने के 14 दिन के भीतर यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस समझौते की टाइमलाइन तय की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि 20 सूत्रीय गाजा प्लान का यह सबसे अहम हिस्सा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो बोलते हैं उसमें कितना सच होता है और कितना झूठ होता है यह उनके अलावा कोई नहीं जानता है। कुछ यही स्थिति इजराइल की है। जब-जब इजराइल ने इस तरह के समझौते किए, जैसे ही सामने वाला पक्ष समझौते के अनुसार प्रक्रिया शुरू करता है उसके बाद उसके ऊपर हमले शुरू हो जाते हैं। दुश्मन को अंधेरे में रखकर हमले करने की यह रणनीति इजराइल और अमेरिका सबसे ज्यादा उपयोग में लाते हैं। यह पिछले कई वर्षों की कार्रवाई से साबित हो चुका है। ईरान और अमेरिका के बीच में जो समझौता हुआ था, उसमें इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने समय-समय पर पलीता लगाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। पीछे से अमेरिका भी इस रणनीति का समर्थन कर रहा था। पहले भी इजराइल और फिलिस्तीनियों तथा हमास के बीच कई समझौते हो चुके हैं। हर समझौते के बाद हमला करना इजराइल की रणनीति का हिस्सा था। इजराइल ने जिस तरह से गाजा में नरसंहार किया है, महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों को मौत के घाट में उतारा है। वहां पर लोग भूखे मर गए। इजराइल ने वहां रसद नहीं जाने दी। इन सब बातों को देखते हुए ट्रंप ने जो दावा किया है वह कितना सही है, कहना मुश्किल है। जिस तरह से ईरान और अमेरिका के बीच में युद्ध हुआ, उसमें खाडी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को जो नुकसान पहुंचा है, इजराइल को भी भारी नुकसान हुआ है, इससे साफ है कि ईरान ने अमेरिका और इजराइल को दिन में तारे दिखा दिए हैं।

ऐसी स्थिति में अमेरिका और इजराइल को अब नई रणनीति अपनाना पड़ रही है। अमेरिका और इजराइल अब हमास से भी बात कर रहे हैं। फिलिस्तीनियों से भी बात कर रहे हैं। इस लड़ाई में अमेरिका और इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में उन्हें कई वर्ष लगेंगे। वर्तमान स्थिति में ईरान अमेरिका इजराइल फिलिस्तीन हमास खाडी के सभी देश लगातार नुकसान से अब घबरा चुके हैं। लड़ने के लिए किसी के पास शक्ति नहीं बची है, जो कुछ शक्ति है वह वर्तमान में ईरान के पास है। ईरान को रूस और चीन का सहयोग मिला है। हार्मोज ईरान के लिए वरदान साबित हुआ है। पिछले पांच दशक से ईरान को सबने मिलकर प्रतिबंध की आड़ में कमजोर करने का हर संभव प्रयास कर लिया। अब समय बदल गया है। ईरान अब मुख्य भूमिका में है। रूस और चीन से जो समर्थन उसको मिल रहा है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि वह शांति की ओर आगे बढ़े लेकिन अभी भी वह बदमाशी करेंगे तो इसका दुष्परिणाम इस बार उन्हें भारी पड़ने वाला है। ईरान पूरी तरह से सजग है। ट्रंप ने जिस तरह से टैरिफ का आतंक सारी दुनिया के देशों में फैलाया था, उससे अमेरिका की विश्वसनीयता और डोनाल्ड ट्रंप के रोजाना नए-नए झूठ बोलने से डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर सहज रूप से विश्वास नहीं किया जा सकता है। आशा है डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जो समझौता करने जा रहे हैं, उसे ईमानदारी के साथ लागू करें। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी। अमेरिका और इजराइल मैं भी शांति बनी रहेगी।

बढ़ते असंतोष नफरत के बीच सुलगता नेपाल?

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल नेपाल के दक्षिणी हिस्से (मधेस और कोशी प्रांत) में कांवड़ बोलबम यात्रा और मुहर्रम के लाउडस्पीकर विवाद को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हैं. तनाव को देखते हुए सुनसरी, सिरहा, सलार्ही और जनकपुर सहित 6 से अधिक शहरों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और स्थिति को काबू में करने के लिए नेपाली सेना को जमीन पर उतार दिया गया है.इस ताजा हिंसा के मामले चिंता बढ़ाने वाले है.नेपाल के सुनसरी जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा अब कई जिलों तक फैल चुकी है. तीन लोगों की मौत, कई जिलों में कर्फ्यू और सरकार की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच जानिए आखिर नेपाल में क्या हो रहा है? हिंसा की शुरूआत और कारण लाउडस्पीकर और झंडे का विवादः हिंसा की शुरूआत 26 जुलाई की रात सुनसरी जिले के देवानगंज (कप्तानगंज क्षेत्र) से हुई. वहां एक पक्ष की ओर से बोलबम यात्रा की तैयारी चल रही थी और दूसरे पक्ष का भी धार्मिक कार्यक्रम था.डीजे पर तेज संगीत बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों समुदायों के बीच कहासुनी हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया.हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस को गोली चलानी पड़ी और अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है. हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है. सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए.पथराव और आगजनीः उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया. हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतेंः पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है.कर्फ्यू और सेना की तैनातीः सुनसरी और सिरहा के गोलबाजार, लहान, इनरवा और जनकपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में सेना फ्लैग मार्च कर रही है और हेलिकॉप्टर से भी निगरानी रखी जा रही है.नेपाल सरकार की अपीलः नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने देश के नाम संदेश जारी कर लोगों से सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है. भारत सीमा पर हाई अलर्टनेपाल के ये हिंसा प्रभावित जिले भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे हुए हैं.सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस अतिरिक्त चौकसी बरत रही है तथा सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है.

आपको बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल के दिनों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा केवल पड़ोसी देश की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। भारत से लगी खुली सीमा, दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक संबंध और सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा आर्थिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सुनसरी जिले के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ विवाद यदि सिराहा, धनुषा और अन्य क्षेत्रों तक तनाव का कारण बन रहा है, तो इसे सामान्य स्थानीय झड़प मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हिंसा, पथराव, आगजनी और सुरक्षाबलों के साथ झड़पों के बाद नेपाल के कई संवेदनशील क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है। लोगों की आवाजाही, सभाओं, प्रदर्शनों और सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगाई गई है। संवेदनशील स्थानों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख मागों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। नेपाल की सेना और सशस्त्र पुलिस बल को भी निगरानी में लगाया गया है। इन कदमों से स्पष्ट है कि नेपाली प्रशासन स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है, लेकिन असली चुनौती केवल हिंसा रोकना नहीं, बल्कि उसके पीछे सक्रिय अफवाहों, उकसावे और संगठित कट्टरता की पहचान करना है। सांप्रदायिक हिंसा प्रायः अचानक दिखाई देती है, लेकिन उसकी जमीन लंबे समय में तैयार होती है। किसी धार्मिक आयोजन, जुलूस, रास्ते, नारे, सोशल मीडिया पोस्ट या मामूली विवाद को बहाना बनाकर भीड़ को भड़काया जाता है। कुछ घंटों में स्थानीय विवाद सामुदायिक संघर्ष में बदल जाता है। इसके बाद झूठी तस्वीरें, पुराने वीडियो और अपुष्ट संदेश आग में घी का काम करते हैं। नेपाल में भी प्रशासन को यह जांचना होगा कि क्या सुनसरी की घटना के पीछे कोई सुनियोजित अभियान, भड़काऊ प्रचार या बाहरी सहायता से चलने वाला नेटवर्क सक्रिय था। नेपाली मीडिया में सामने आई कथित सुरक्षा रिपोटों ने चिंता को और बढ़ाया है। बताया गया है कि नेपाल की आई पुलिस फोर्स ने कुछ वर्ष पहले ही तराई-मधेस क्षेत्र में धार्मिक और जातीय तनाव भड़काने वाले तत्वों को लेकर सरकार को सतर्क किया था। यदि वास्तव में ऐसी चेतावनी दी गई थी और उस पर समय रहते पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जाएगी। खुफिया सूचनाओं का उद्देश्य केवल दस्तावेज तैयार करना नहीं, बल्कि संभावित संकट को रोकने के लिए नीति और कार्रवाई तय करना होता है। हालांकि इस संवेदनशील परिस्थिति में सबसे अधिक सावधानी भाषा और आरोपों को लेकर बरतने की आवश्यकता है। किसी पूरे समुदाय, धर्म, क्षेत्र या जनसंख्या समूह को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे तनाव और बढ़ सकता है। धार्मिक स्थलों, मदरसों, मंदिरों, बस्तियों या जनसंख्या में बदलाव से संबंधित दावों की निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित जांच होनी चाहिए। अपुष्ट जनसांख्यिकीय आशंकाओं को राजनीतिक हथियार बनाना समाज को और विभाजित कर सकता है। समस्या कट्टरपंथ, हिंसक संगठन और कानून तोड़ने वाले तत्व हैं कि किसी धर्म के सामान्य नागरिक नहीं। नेपाल की सामाजिक संरचना बहुधार्मिक, बहुभाषी और बहुजातीय है। तराई क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम, मधेसी, थारू, पहाड़ी और अन्य समुदाय लंबे समय से साथ रहते आए हैं। इस सामाजिक ताने-बाने की रक्षा नेपाल सरकार की पहली जिम्मेदारी है। स्थानीय धार्मिक नेताओं, नागरिक संगठनों, शिक्षकों, पत्रकारों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को शांति बहाली में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। केवल पुलिस बल के भरोसे स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। संवाद, विश्वास बहाली और निष्पक्ष न्याय भी उतने ही आवश्यक हैं। भारत के वि भारत के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण खुली सीमा है। भारत और नेपाल के नागरिक अनेक स्थानों पर बिना पासपोर्ट और वीजा के सीमा पार करते हैं। व्यापार, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा और पारिवारिक संबंधों के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसी स्थिति में नेपाल की हिंसा का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों पर पड़ना स्वाभाविक है। अफवाहें, भड़काऊ सामग्री, असामाजिक तत्व या अवैध हथियार सीमा पार न पहुंचें, इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। बिहार से लगी सीमा पर हाई अलर्ट उचित कदम है, लेकिन सतर्कता का अर्थ सामान्य यात्रियों और सीमावर्ती नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं होना चाहिए। सशस्त्र सीमा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर प्रसारित झूठी खबरों पर भी तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सीमावर्ती गांवों में शांति समितियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से संवाद बढ़ाकर अफवाहों को शुरूआती स्तर पर रोका जा सकता है। भारत और नेपाल के बीच सुरक्षा सहयोग को भी मजबूत करने की आवश्यकता है। दोनों देशों की एजेंसियों को हिंसा फैलाने वाले संगठनों, अवैध धन प्रवाह, हथियारों की तस्करी और डिजिटल प्रचार नेटवर्क से जुड़ी सूचनाएं साझा करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

चीन में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 51 पहुंची, 10 लोग अब भी लापता

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन में इस महीने हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि जमीन पर चलाया जा रहा खोज अभियान समाप्त कर दिया गया है, जबकि 10 लोग अब भी लापता हैं। प्रशासन के अनुसार, वुजियांग नदी में ड्रेजिंग और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। यह हादसा 17 जुलाई को चोंगकिंग के पेंगशुई काउंटी में हुआ था, जहां पहाड़ी से गिरी चट्टानों और मलबे ने 10 से अधिक आवासीय इमारतों और एक मिनीबस को अपनी चपेट में ले लिया था। इस दुर्घटना में 10 लोग घायल हुए थे, जिनमें से तीन को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। प्रशासन ने बताया कि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और प्रभावित इलाके में यातायात जल्द बहाल होने की उम्मीद है। नदी में लापता लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों और पानी के भीतर काम करने वाले रोबोट की मदद ली जा रही है।

ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में फेल :49-50 वोट से गिरा, ट्रंप की पार्टी के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई सीमित करने वाला प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। इसके लिए गुरुवार को वोटिंग हुई, जिसमें यह 49-50 के अंतर से खारिज हो गया। पेंसिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अभी यह विधेयक सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी समिति में अटका हुआ है। प्रस्ताव लाने वाले सांसद चाहते थे कि इसे पूरे सीनेट में चर्चा और वोटिंग के लिए पेश किया जाए। अब इसे पूरे सीनेट में लाने के लिए सांसदों को दोबारा कोशिश करनी होगी। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ जाता, तो ईरान के खिलाफ हमले शुरू करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति अकेले ऐसा फैसला नहीं ले सकते थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया ईरान हमलों के बाद विपक्षी सांसद लगातार मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद की मंजूरी से ही हो।

ट्रम्प का दावा- हमास-इजराइल में पीस एग्रीमेंट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। उनके मुताबिक, हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी। ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे। ट्रम्प ने इस समझौते के लिए मिस्र, कतर और तुर्किये का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन देशों और अमेरिकी टीम की लगातार कोशिशों से दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ सकी। ट्रम्प ने कहा यह डील अमेरिका के 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है। और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है। नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी। इसके लिए बड़ी तैयारी और तालमेल की जरूरत होगी। नई फिलिस्तीनी सरकार को समर्थन चाहिए- गाजा का प्रशासन नई तकनीकी फिलिस्तीनी सरकार संभालेगी।

स्पेन में बेकाबू हुए हालात, समंदर के रास्ते घुसे हजारों लोग ; 18 मौतों के बाद स्यूटा में सेना की एंट्री

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी तट पर स्थित छोटे से शहर स्यूटा में इन दिनों गंभीर मानवीय और सुरक्षा संकट पैदा हो गया है। बेहतर भविष्य की तलाश में मोरक्को से हजारों प्रवासियों ने अवैध रूप से सीमा पार कर स्पेन में प्रवेश किया है। इस भगदड़ और समुद्र पार करने के खतरनाक प्रयास में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई है कि स्पेन सरकार को बॉर्डर पर कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है। स्यूटा सीमा पर तैनात सिविल गार्ड अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान स्थिति पूरी तरह से अराजक है। प्रवासियों की संख्या इतनी अधिक है कि सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल हो रहा है, लेकिन हजारों की भीड़ लगातार सीमा पार कर रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में बड़ी संख्या में लोग, जिनमें ज्यादातर मोरक्को के युवा पुरुष हैं, तराजाल समुद्र तट के रास्ते स्थानीय सड़कों पर आते दिखाई दे रहे हैं।

पाकिस्तान की कोयला खदान में बड़ा हादसा, धमाके में 32 मजदूरों की मौत; 10 अब भी फंसे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति बेहद गंभीर मानी जा रही है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

धमाका कैसे हुआ : सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने के कारण हुआ। हादसे के कुछ घंटों बाद पहले सात मजदूरों के शव निकाले गए, जबकि बाद में चार और शव बरामद किए गए। गनी बलोच ने बताया कि राहत अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी फंसे मजदूरों का पता नहीं चल जाता। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है, जिससे किसी के जीवित मिलने की संभावना लगातार कम होती जाती है। इसी वजह से बचाव दल भी बेहद सावधानी के साथ अंदर आगे बढ़ रहे हैं।

सरकार ने क्या कहा : बलूचिस्तान के खान एवं खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने कहा कि राहत दल बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और प्रांतीय सरकार बचाव कार्य में हरसंभव मदद कर रही है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को पांच लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएंगे। नोशेरवानी ने कहा कि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

क्या लापरवाही हादसे की वजह बनी : कोयला खदान मजदूर यूनियन ने आशंका जताई है कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम हो सकता है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से मांग की है कि खदान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

क्या पाकिस्तान में ऐसे हादसे आम हैं : पाकिस्तान के कोयला खनन उद्योग, खासकर बलूचिस्तान में, ऐसे हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं। कई खदानों में पर्याप्त वेंटिलेशन, गैस मॉनिटरिंग सिस्टम और अन्य बुनियादी सुरक्षा उपायों का अभाव बताया जाता है। मजदूर संगठनों का लंबे समय से आरोप रहा है कि खदान मालिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते और श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराते। इसके बावजूद, कम मजदूरी और जोखिम भरे माहौल में भी हजारों लोग अपनी आजीविका के लिए इसी उद्योग पर निर्भर हैं। खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार इस जानलेवा धमाके के कुछ घंटों बाद 7 खनिकों के शव बरामद कर लिए गए। अधिकारियों का मानना है कि खदान के अंदर यह बड़ा धमाका मीथेन गैस जमा होने की वजह से हुआ था। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य आपातकालीन दल तेजी से अपना बचाव अभियान चला रहे हैं। खदान के अंदर मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है।

बचाव कार्य लगातार जारी : ऑक्सीजन खत्म होने के कारण फंसे हुए खनिकों के जीवित बचने की संभावना काफी ज्यादा कम हो जाती है। इसके बावजूद बचावकर्मी खदान के अंदर बहुत ही ज्यादा सावधानी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि खनिक जमीन के नीचे कितनी गहराई में काम कर रहे थे। लेकिन उनका कहना है कि जब तक सभी 41 खनिक नहीं मिल जाते, तब तक यह बचाव अभियान जारी रहेगा। बलूचिस्तान हादसे के अलावा बुधवार रात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आतंकी हमला हुआ है। अफगान सीमा के पास मौजूद हंगू जिले में एक पुलिस चेकपॉइंट पर घात लगाकर अचानक हमला किया गया। हमलावरों ने पुलिस पोस्ट को निशाना बनाने के लिए पहले विस्फोटक से लदे हुए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया। इसके बाद सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच कई घंटों तक भारी गोलीबारी चलती रही। इस भीषण गोलीबारी में 11 पुलिस अधिकारियों की जान चली गई और 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मारे गए लोगों में डिप्टी सुपरिटेंडेंट दियार खान भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया सीमा पर भटका अमेरिकी सैन्य ड्रोन; उत्तर कोरियाई सीमा के पास हड़कंप, इलाके कराए गए खाली

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान गुरुवार को एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन सीमा क्षेत्र में पहुंच गया, जिसके बाद दक्षिण कोरियाई सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। एहतियात के तौर पर उत्तर कोरिया से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत और चेओरवोन क्षेत्र के कुछ इलाकों को खाली कराया गया तथा स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। शुरुआती जांच में दक्षिण कोरियाई सेना ड्रोन की पहचान नहीं कर सकी, जिससे कुछ समय के लिए आशंका बनी रही कि कहीं यह उत्तर कोरिया से तो नहीं आया।

बाद में संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि यह अमेरिकी मरीन कॉर्प्स का मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) था, जो द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण में शामिल था। अमेरिकी सेना और दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन निर्धारित मार्ग से कैसे भटका। फिलहाल किसी तरह के नुकसान या सुरक्षा उल्लंघन की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, घटना ने कोरियाई सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाद में यूएस मरीन ड्रोन होने की पुष्टि : दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के अनुसार पता चला की उत्तर कोरिया की सीमा से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत में एक जनरल आउटपोस्ट के दक्षिण में यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का पता चला था। बाद में इसकी पहचान यहां तैनात यूएस मरीन कॉर्प्स के एक मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई। वहीं दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया आगे की जांच-पड़ताल के बाद, इस यूएवी की पहचान ट्रेनिंग में शामिल यूएस मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई।

सीमा क्षेत्र में दिखा अमेरिकी ड्रोन : योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद तय प्रोटोकॉल के अनुसार ऑपरेशनल कदम उठाए गए। यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने भी पुष्टि की कि यह उनका ही ड्रोन था और कहा कि वे स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संयुक्त अभ्यास के दौरान हुई घटना : वहीं यूएसएफके ने दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम लेते हुए कहा यह घटना यूएस मरीन और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के फर्स्ट मरीन डिवीजन के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण के दौरान हुई। उन्होंने आगे कहा, 'यूएस मरीन कॉर्प्स के कर्मी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के हमारे सहयोगियों और संबंधित स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क साधे हुए हैं। बता दें कि इससे पहले दिन में, सोल से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर में, उत्तर-दक्षिण कोरियाई सीमा के साथ बफर जोन के पास चेओरवोन में एक अलर्ट जारी किया गया था।

आस्ट्रेलियाई एयरलाइन के विमान से आसमान में अब सबसे लंबा सफर...बिना रुके सिडनी से सीधे लंदन

सिडनी, एजेंसी। अगले साल से शुरू होने जा रही सबसे लंबी कमर्शियल फ्लाइट (आस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास का विमान) बिना रुके 22 घंटे की यात्रा कराएगा। यह लगभग 18,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने में सक्षम है। एयरबस ए350-1000यूएलआर (अल्ट्रा लॉन्ग रेंज) में लंबी दूरी की उड़ानों के मुकाबले अतिरिक्त 20,000 लीटर का एक्स्ट्रा फ्यूल टैंक लगाया गया है। एशिया, मिडिल ईस्ट या नॉर्थ अमेरिका में होने वाले लंबे ट्रांजिट को खत्म करके यात्री बिना रुके सीधे अपनी मंजिल पर पहुचेंगे और उनके सफर के 4 घंटे की बचत होगी। बता दें कि एयरबस दो महीने के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत जून से ही इस एयरक्राफ्ट की टेस्टिंग कर रही है।

सामान्य विमानों में जहां 300 से अधिक सीटें होती हैं, वहीं क्वांटास के इस विमान में केवल 238 सीटें ही रखी गई हैं। कम सीटों के होने से विमान का वजन संतुलित रहते और यात्रियों को पैरों फैलाने के लिए अधिक स्पेस, स्ट्रेटिंग स्पेस व आरामदायक केबिन मिलेगा। यात्रियों की सेहत का ध्यान रखते हुए इसमें वेलबीइंग जोन बनाया गया है, जहां यात्रियों के टहलने, स्ट्रेचिंग करने और हल्के-फुल्के रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक (सर्काडियन रिदम) को ठीक बनाए रखने और जेट लैग के असर को कम करने के लिए केबिन में सनराइज और सनसेट जैसे 12 अलग-अलग प्रोग्रामेबल लाइटिंग थीम्स दी गई हैं। यह विमान शक्तिशाली और बेहद ईंधन-दक्ष रोल्स-रॉयस ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन से संचालित है। अभी दुनिया की सबसे लंबी शेड्यूल्ड कमर्शियल पैसेंजर सर्विस सिंगापुर एयरलाइंस का सिंगापुर और न्यूयॉर्क के बीच नॉन-स्टॉप रूट है, जो 18 घंटे से कुछ ज्यादा समय में लगभग 15,350 किलोमीटर की दूरी तय करता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जरूरी मिनरल्स पर नियंत्रण सख्त करने का लिया फैसला, डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट किया लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल्स और मटीरियल पर नियंत्रण सख्त कर दिया है। इससे कॉमर्स डिपार्टमेंट को देश की रक्षा के लिए जरूरी मानी जाने वाली घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करने की बड़ी कोशिश के तहत एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार मिल गया है। गुरुवार को वाणिज्य सचिव को जारी किए गए प्रेसिडेंशियल डिटरमिनेशन में राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया कि रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल (सीएमएम) देश की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इम्पोर्टेड सप्लाई पर अमेरिका की निर्भरता एक बढ़ता हुआ सुरक्षा खतरा बन गई है। इस फैसले में कहा गया है कि अमेरिका की सीएमएम की कम सप्लाई से हमारे देश की सुरक्षा और बचाव को खतरा बढ़ रहा है। देश विदेशी सोर्स से कुछ सीएमएम के इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है और इस निर्भरता से सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा है। मेमोरेंडम में कहा गया, 'यह जरूरी है कि अमेरिका रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करे। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत वाणिज्य सचिव को रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल पर एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार दिया है। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट में कहा गया है कि इस फैसले से यह नतीजा निकलता है कि सीएमएम देश की रक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं, खासकर मिलिट्री प्रोडक्शन, इंडस्ट्रियल इस्तेमाल और नेशनल सिक्योरिटी के मामले में। इसमें यह भी पाया गया है कि अमेरिका कुछ जरूरी चीजों के लिए विदेशों से इम्पोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिससे सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा पैदा होता है। राष्ट्रपति का फैसला वाणिज्य सचिव को रेगुलेशन, नियम, निर्देश और प्रक्रिया जारी करके आदेश को लागू करने का अधिकार देता है। यह फैसला फेडरल रजिस्टर में भी पब्लिश किया जाएगा। सरकार ने कहा कि अमेरिका के पास पहले से ही स्थायी मैग्नेट और लिथियम-आयन बैटरी जैसे तैयार प्रोडक्ट्स में लगे जरूरी मिनरल्स की काफी मात्रा है। जब ये प्रोडक्ट्स अपनी लाइफ साइकिल के आखिर में पहुंच जाते हैं तो इन मटीरियल्स को इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए वापस लिया जा सकता है और रीसायकल किया जा सकता है। व्हाइट हाउस ने कहा कि ये मटीरियल्स जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स के काम करने के तरीके, सुरक्षा और मजबूती को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी हैं। इसमें यह भी कहा गया कि जरूरी मिनरल डिफेंस सप्लाई चेन में आम हैं और एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम में जरूरी इनपुट हैं जो तकनीकी तौर पर बेहतरी, ऑपरेशनल तैयारी और उच्च प्रदर्शन वाले सैन्य उपकरण की एक सीरीज को सपोर्ट करते हैं।'

डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के सेक्शन 101 के तहत राष्ट्रपति ट्रंप ने तय किया कि रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम देश की रक्षा के लिए जरूरी दुर्लभ और जरूरी मटीरियल हैं। उन्होंने आगे पाया कि इन मटीरियल के लिए देश की रक्षा की जरूरतें सिविलियन मार्केट में ऐसे मटीरियल के नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन में इतनी बड़ी गड़बड़ी पैदा किए बिना पूरी नहीं की जा सकतीं कि काफी मुश्किल हो जाए।

यूरोप की खुली सीमाओं पर संकट: इतालवी प्रधानमंत्री ने दी शेंगेन समझौते को रद्द करने की धमकी

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। इसमें जरूरत पड़ने पर स्पेन के साथ शेंगेन समझौते को निलंबित करना भी शामिल है। उनका यह बयान स्पेन के स्यूटा क्षेत्र में प्रवासियों की संख्या में अचानक आई बढ़ोतरी के बाद आया है।

पीएम मेलोनी ने क्या चेतावनी दी ः पीएम मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि स्यूटा से सामने आ रही तस्वीरें इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि अनियंत्रित अवैध प्रवासन यूरोप की सीमाओं की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने इटली के गृह मंत्री मत्तेओ प्यान्तेदोसी से सीधे बात की है और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की बैठक बुलाई गई है, ताकि औपचारिक जवाबी कार्रवाई पर फैसला किया जा सके। इतालवी पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि उनकी सरकार सीमा पर बन रहे हालात को देखते हुए चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय बैठकों के फैसले के आधार पर इटली अपनी सीमाओं की रक्षा और लोगों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने को तैयार है। उन्होंने खासतौर से स्पेन के साथ खुले सीमा वाले शेंगेन समझौते को निलंबित करने का विकल्प भी बताया। मेलोनी ने दोहराया कि उनकी सरकार अवैध प्रवासन के खिलाफ सख्त नीति पर कायम है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता सीमाओं की सुरक्षा, मानव तस्करी के गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अवैध प्रवासियों को जल्दी वापस भेजना है।

स्यूटा में क्यों बढ़ा संकट : उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में सीमा संकट तेजी से बढ़ रहा है। स्यूटा की मोरक्को के साथ जमीनी सीमा लगती है। पोलिटिको के अनुसार, बुधवार से हजारों प्रवासी इस क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। इससे स्थानीय प्रशासन पर भारी दबाव पड़ गया है और सीमा प्रबंधन को लेकर स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की आलोचना तेज हो गई है। स्यूटा के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बुधवार को समुद्री मार्गों से लगातार पहुंच रहे प्रवासियों को लेकर चेतावनी जारी की। स्यूटा के क्षेत्रीय प्रमुख जुआन जीसस विवास ने स्थिति को 'पूरी तरह मानवीय और सामाजिक आपातकाल' बताया। उन्होंने मैड्रिड की केंद्र सरकार से तुरंत दखल की मांग की। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि उनकी सरकार मोरक्को के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके। उन्होंने जल्द सरकारी कार्रवाई का भी भरोसा दिया। सांचेज पर राजनीतिक दबाव उस समय और बढ़ गया, जब स्पेन के सुप्रीम कोर्ट ने समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों को तुरंत वापस भेजने पर रोक लगाने वाला फैसला दिया। इस संकट के कारण प्रधानमंत्री की देश के भीतर भी तीखी आलोचना हो रही है।

ब्रिटिश सांसदों ने पीओके में हिंसा पर जताई चिंता, तनाव तुरंत कम करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ती अशांति को लेकर कई ब्रिटिश सांसदों ने गंभीर चिंता जताई है। इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई, आवाजाही पर पाबंदियों और संचार व्यवस्था ठप होने की खबरों के बीच आम नागरिकों के हताहत होने और घायल होने की भी खबरें आ रही हैं। ब्रैडफोर्ड के सांसद इमरान हुसैन और ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप (एपीपीजी) के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और 50 से अधिक सांसदों ने पीओके के हालात को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) के विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हुसैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कश्मीर पर एपीपीजी के चेयरमैन के तौर पर 50 से अधिक सांसदों के साथ मिलकर हमने मौजूदा हालात के बारे में विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हम तनाव के गंभीर रूप से बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं, खासकर हालिया खबरों को लेकर जिनमें गोलीबारी से लोगों की मौत और घायल होने की बात कही गई है।'

हुसैन ने कहा कि कई ब्रिटिश कश्मीरी उस इलाके में अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा, 'कई ब्रिटिश कश्मीरी अपने परिवारों की सुरक्षा और भलाई को लेकर चिंतित हैं, जिससे हमारे समुदायों में काफी बेचैनी और परेशानी है। उन्होंने कहा, 'यूके सरकार को तनाव कम करने और बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी सही कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस बातचीत के केंद्र में कश्मीरियों के बुनियादी मानवाधिकार होने चाहिए। ये बातें तब सामने आईं जब गुरुवार को यूके के कई सांसदों ने पीओके में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की खबरों पर चिंता जताई। सांसद जारा सुल्ताना ने एक्स पर लिखा, 'कश्मीर के लोगों के साथ एकजुटता। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा घातक बल प्रयोग की खबरें और वीडियो फुटेज बेहद परेशान करने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा, 'खबर है कि संचार व्यवस्था ठप होने के बीच कम से कम 30 लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। हिंसा खत्म होनी चाहिए। संचार व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए, स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जानी चाहिए और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूके की एक और सांसद नादिया व्हिटोम ने कहा कि जून में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अधिकारियों ने सख्त संचार प्रतिबंध लागू कर दिया था।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा ! 3 की जान जाने के बाद पीएम बालेन शाह ने की शांति की अपील

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच भड़की भारी सांप्रदायिक हिंसा से पूरे इलाके में गहरा तनाव पैदा हो गया है। सुनसरी जिले से रविवार को शुरू हुई यह भयंकर हिंसा अब सिराहा और धनुषा जिले तक पूरी तरह फैल गई है। इस हिंसक टकराव और पुलिस के साथ हुई भीषण झड़पों में अब तक कुल तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। यह स्थिति नेपाल सरकार के लिए बहुत ही ज्यादा चिंताजनक बन गई है।

देश के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने इस बेहद नाजुक स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने टेलीविजन पर अपने खास संबोधन में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घटना की निष्पक्ष जांच का पूरा भरोसा दिलाया। गृह मंत्रालय ने इस हिंसक घटना की गहराई से जांच के लिए तुरंत एक विशेष जांच समिति का भी गठन कर दिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी घायल लोगों का मुफ्त और बेहतर इलाज करने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

कैसे भड़की यह भयंकर हिंसा : इस गंभीर हिंसा की मुख्य शुरुआत 26 जुलाई को सुनसरी जिले के कप्तानगंज क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा के दौरान हुई थी। श्रावण महीने में बोलबम पर्व के हिंदू श्रद्धालु कोशी बैराज से पवित्र जल लेकर तेज डीजे संगीत के साथ आगे जा रहे थे। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस तेज संगीत पर भारी आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों पक्षों में भयंकर बहस शुरू हो गई। यह बहस और विवाद अचानक से बहुत उग्र हो गया। देखते ही देखते यह छोटा सा विवाद धक्का-मुक्की और एक बहुत ही बड़े हिंसक टकराव में पूरी तरह से बदल गया। दोनों समुदायों के लोग लाठियां, पत्थर, बांस और लोहे की रॉड जैसे खतरनाक हथियार लेकर बहुत बड़ी संख्या में घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। स्थिति को बेकाबू होता देखकर पुलिस को मजबूरन सख्त हस्तक्षेप करना पड़ा जिसमें पुलिस की गोली लगने से एक युवक ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। इसके बाद पूरे इलाके में भयानक हिंसा भड़क उठी।

तीन निर्दोष लोगों की गई जान : पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई इस भीषण झड़प में अब तक तीन लोगों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है। इनमें जय प्रकाश मेहता, ओम प्रकाश मेहता और एक किशोर गणेश यादव का नाम आधिकारिक रूप से शामिल बताया गया है। सिराहा जिले में हुई हिंसक झड़प के दौरान गोली लगने से युवा गणेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना बहुत ही ज्यादा दुखद और खौफनाक है। वहीं जय प्रकाश मेहता और ओम प्रकाश मेहता की जान रविवार को सुनसरी में हुई भयानक पुलिस झड़प के कारण चली गई। इन मौतों के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है और कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुई हैं। हालात को तुरंत काबू में करने के लिए प्रशासन ने सिराहा और जनकपुरधाम के कई संवेदनशील इलाकों में सख्त कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस बल लगातार इन सभी प्रभावित क्षेत्रों में कड़ी गश्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री पर विपक्ष का भारी निशाना : नेपाल सरकार और प्रधानमंत्री बालेन शाह पर इस संकट के समय सही राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं देने का बहुत बड़ा आरोप लगा है। विपक्षी नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री ने स्थिति सुधारने के लिए कोई भी सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में भी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों पूरी तरह से अनुपस्थित रहे। आलोचकों ने राष्ट्रपति को जानकारी न देने का भी गंभीर मुद्दा उठाया है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अफवाहों को रोकने के लिए लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। गुरुवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में देश की समग्र सुरक्षा स्थिति की पूरी बारीकी से समीक्षा की गई। भारत की सीमा से लगे नेपाल के पर्सा जिले में भी एहतियात के तौर पर सख्त निषेधाज्ञा पूरी तरह से लागू कर दी गई है।

कृष्ण और गांधी — ओशो

गांधी गीता को माता कहते हैं लेकिन गीता को आत्मसात नहीं कर सके क्योंकि गांधी की अहिंसा युद्ध की संभावनाओं को कहां रखेगी? तो गांधी उपाय खोजते हैं, कहते हैं कि यह जो युद्ध है, सिर्फ रूपक है, यह कभी हुआ नहीं। यह जो कुरु क्षेत्र है, कहीं कोई बाहर का मैदान नहीं है, और ऐसा नहीं है कि कृष्ण ने कहीं अर्जुन को किसी बाहर के युद्ध में लड़ाया हो। गांधी को कठिनाई है क्योंकि गांधी का जैसा मन है, उसमें तो अर्जुन ही ठीक मालूम पड़ेगा। अर्जुन के मन में बड़ी अहिंसा का उदय हुआ है। वह युद्ध छोड़कर भाग जाने को तैयार है। कहता है, अपनों को मारने से फायदा क्या? इससे तो बेहतर है कि सब छोड़कर भीखमंगा हो जाऊं। बेहतर है कि भाग जाऊं और सारे दुःख वरण कर लूं, लेकिन हिंसा में न पड़ूं। कृष्ण की बात गांधी की पकड़ में कैसे आ सकती है? क्योंकि कृष्ण उसे समझाते हैं कि तू लड़। कृष्ण का तर्क है कि जब तक तू ऐसा मानता है कि कोई मर सकता है, तब तक तू आत्मवादी नहीं है। तब तक तुझे पता ही नहीं है कि जो भीतर है, वह कभी मरा है, न कभी मर सकता है। अगर तू सोचता है कि मैं मार सकूंगा, तो बड़ी भ्रांति में है, बड़े अज्ञान में है क्योंकि मारने की धारणा ही भौतिकवादी की धारणा है।

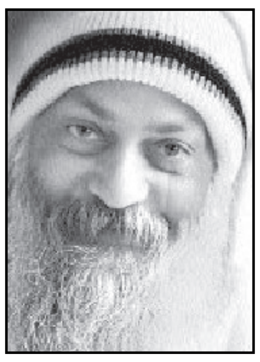

इसलिए कृष्ण को जिन्होंने पूजा भी है, आराधना भी की है, उन्होंने भी कृष्ण के टुकड़े-टुकड़े करके किया है। सूरदास के कृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते। बड़े कृष्ण के साथ खतरा है। सूरदास बर्दाश्त न कर सकेंगे। वह बाल कृष्ण को ही..क्योंकि बालकृष्ण अगर गांव की स्त्रियों को छेड़ आता है, तो हमें बहुत कठिनाई नहीं है। लेकिन युवा कृष्ण जब गांव की स्त्रियों को छेड़ देगा तो फिर बहुत मुश्किल हो जाएगा। फिर हमें समझना बहुत मुश्किल हो जाएगा क्योंकि हम अपने ही तल पर तो समझ सकते हैं। तो कोई है, जो कृष्ण के एक रूप को चुन लेगा; कोई है, जो दूसरे रूप को चुन लेगा। गीता को प्रेम करने वाले भागवत की उपेक्षा कर जाएंगे क्योंकि भागवत का कृष्ण और ही है। भागवत को प्रेम करने वाले गीता की र्चचा में पड़ेंगे क्योंकि कहां राग-रंग, कहां रास और कहां युद्ध का मैदान! उनके बीच कोई तालमेल नहीं है। शायद कृष्ण से बड़े विरोधों को एक-साथ पी लेने वाला कोई व्यक्तित्व ही नहीं है। इसलिए कृष्ण की एक-एक शक्ल को लोगों ने पकड़ लिया है। जो जिसे प्रीतिकर लगी है, उसे छांट लिया है, बाकी शक्ल को उसने इनकार कर दिया है।

खबरें जरा हटके

पति का पुनर्जन्म मान 74 साल की महिला ने की बछड़े से शादी

पुनर्जन्म पर बहुत से लोग विश्वास करते हैं और बहुत से लोग नहीं। हालांकि पुनर्जन्म से जुड़ी कई कहानियां हमें पढ़ने को मिलती रहती हैं। इन दिनों कंबोडिया की रहने वाली खिम हैंग सोशल मीडिया पर कुछ इसी वजह से छाई हुई हैं। यह महिला 74 साल की है और हाल ही इसने एक बछड़े से शादी रचाई है। महिला इसे बहुत प्यार करती है। मामला पति के बछड़े के रूप में पुनर्जन्म का है। लोग इसे लेकर काफी हैरान और उत्सुक हैं। उनके घर पर लोगों की भीड़ लग रही है। महिला अपने इस बछड़े पति से इतना प्यार करती है कि उसे अपने साथ ही सुलाती है। दिन भर उसकी देखभाल भी करती है। खिम हैंग का कहना है कि उनके पति टोल खूत इस बछड़े के रूप में वापस उनके पास आए हैं। उन्हें इस बात का पूरा विश्वास है, क्योंकि एक दिन उनके पति की आत्मा उनके पास आई थी। उसने उनसे कहा था कि मैं तुम्हारा पति टोल खूत हूं। इसके बाद वह बछड़ा उनके समीप आया और उनके बालों को सहलाने लगा। इतना ही नहीं उनकी गर्दन को चूमा भी। यह बछड़ा बिल्कुल वैसे ही सीढ़ियां चढ़ता है, जैसे उनके पति चढ़ते थे। जिससे उन्हें भी अहसास हो गया कि यह उनका पति ही है। सबसे खास बात तो यह है कि वह बछड़े को उसी कमरे में रखती हैं। जिसमें उनके पति रहते थे। हालांकि उनके बच्चे इस बछडे को अपना पिता नहीं मानते हैं।

आधे चेहरे के साथ पैदा हुई लड़की, अमरीका में सर्जरी के बाद दिखती है ऐसी

दुनिया में शारीरिक विकृतियों के साथ कई बच्चे पैदा होते हैं। इनमें से जो जीवित रहते हैं उनके लिए डॉक्टर भगवान हो जाता है। इनके शरीर में जो कमी भगवान छोड़ देते हैं, सर्जरी की मदद से उसे डॉक्टर पूरा करते हैं। स्लोवाकिया की रहने वाली 30 साल की इवांका डेंसिसोवा गोल्डेनहेर सिंड्रोम से पीड़ित हैं। यह जन्मजात बीमारी है, जिसमें चेहरे के कई अंग पूरी तरह वकसित नहीं हो पाते और चेहरा अधूरा रह जाता है। इवांका के साथ भी कुछ ऐसा ही है। वह पिछले 30 सालों से आधे चेहरे के साथ जिंदगी गुजार रही हैं। कई बार उनके मन में सुसाइड का ख्याल भी आया, लेकिन इवांका ने हिम्मत नहीं हारी। अपनी कमजोरी को दुनिया से छुपाते छुपाते उन्होंने जीवन के 30 साल गुजार लिए। इवांका वकील हैं और अब चाहती हैं कि वह अपने चेहरे को सही आकार दे सकें। इसके लिए उन्होंने अमरीका में सर्जरी करवाई। अब उनकी एक सर्जरी सितंबर में होनी है। जिसके बाद इवांका का चेहरा भी पूरी तरह से बदल जाएगा। अपने आधे चेहरे को छुपाने के लिए इवांका लंबे बाल रखती है और उसे आगे करके चेहरो को ढंकती है। इतने सालों तक उन्होंने इसी तरीके से अपनी शक्ल दुनिया से छुपाए रखी। इवांका को जो बीमारी है वह करीबन 25 हजार बच्चों में किसी एक को होती है। इसमें चेहरे के कान और आंख ज्यादा प्रभावित होते हैं। यह अपने क्रमानुसार बढ़ नहीं पाते। यही नहीं इसकी वजह से हार्ट, किडनी और फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

सेहत

मिट्टी का प्रयोग बनाएगा शरीर को निरोगी

प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों में से एक मिट्टी चिकित्सा पद्धति वास्तव में इस धारणा पर केंद्रित है कि शरीर पंच महाभूतों पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु से मिलकर बना है। इन्हीं तत्वों में असंतुलन होने पर शरीर रोगी होता है। तत्वों में संतुलन करने के लिए मिट्टी का प्रयोग चिकित्सा में होता है।

गर्म मिट्टी = मिट्टी की लुगदी बनाकर एक घंटा गर्म करके पट्टी बनाकर शरीर पर लगाया जाता है। इससे शरीर की जकडन, सूजन, जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द में तुरंत राहत मिलती है।

ठंडी मिट्टी = मिट्टी में ठंडा पानी मिलाकर 6-8 घंटे फूलने के लिए रख दें। इस मिट्टी की पट्टी बनाकर लगाने से पेट की जलन, अल्सर, एसिडिटी में राहत मिलती है।

सर्वांग मिट्टी लेप = पानी में भिगी मिट्टी को लेपन योग्य तरल करके सिर से तलवों तक मिट्टी का सर्वांग लेप होता है, इससे उच्च रक्तचाप और चर्म रोगों से लाभ मिलता है। मिट्टी चिकित्सा में काली भुरभुरी मिट्टी (कुम्हार जिससे बर्तन बनाते हैं) उपयुक्त होती है। इसमें थोड़ी सी बालू मिलाई जाती है। मिट्टी जमीन से तीन से चार फुट नीचे से ली जानी चाहिए।

तैलीय त्वचा वाले लोग मिट्टी में नींबू का रस मिला सकते हैं। मिट्टी में नीम की छाल का उपयोग करने से फोड़े-फुंसी और चर्म रोग में लाभ होता है। दही व शहद मिट्टी में मिलाने से बालों की कंडिशनिंग करें। मुल्तानी मिट्टी के साथ चंदन पाउडर व गुलाब जल लगाने से चेहरे पर चमक आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

काकुरो पहेली - 770

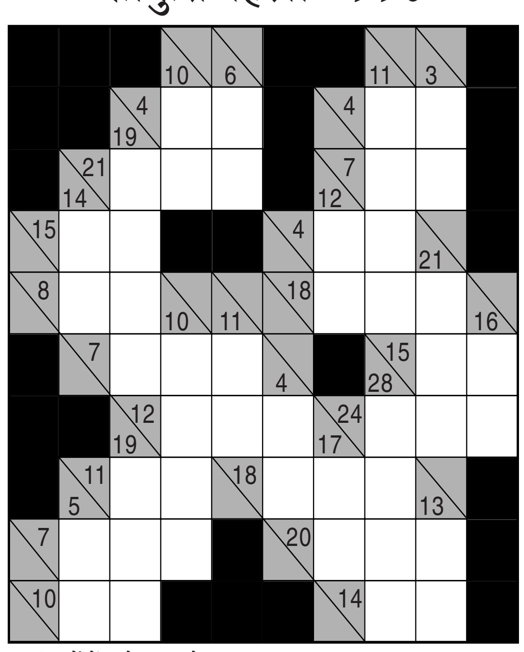

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

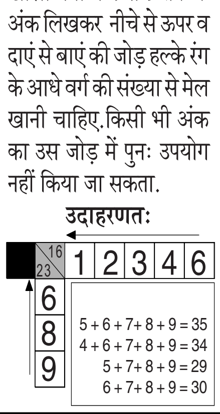

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 769 का हल

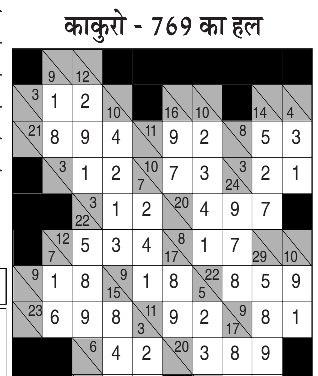

फिल्म वर्ग पहेली- 770

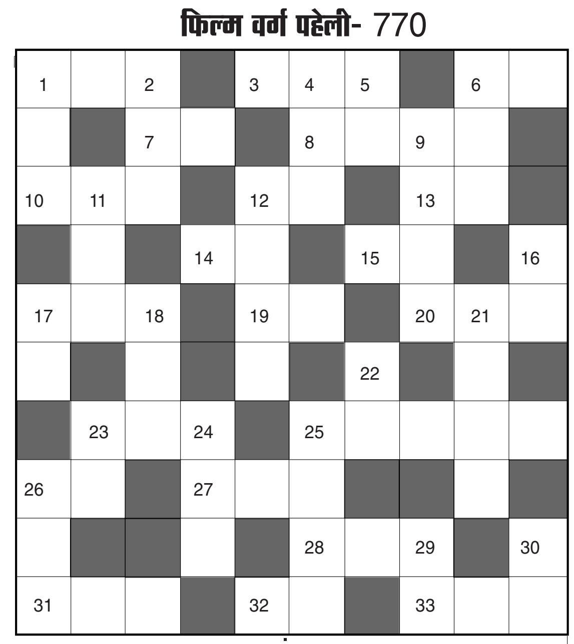

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 769

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		श	जू		ज	ख्म		ज
श		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रे	जा		धू	म

सूडोकु -770

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -769 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 770

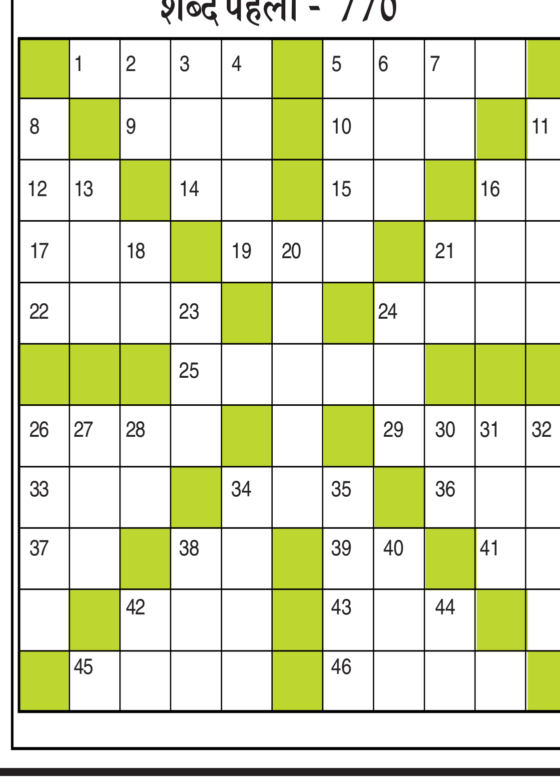

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -769 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

मप्र पुलिस के नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान में जनभागीदारी से बने पांच विश्व रिकॉर्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा समाज में नशे के प्रति चेतना जागृत करने के उद्देश्य से चलाए गए 15 दिवसीय नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान में जनभागीदारी से पांच विश्व रिकॉर्ड बने। इस दौरान 60 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय हस्तियों का समर्थन मिला और करोड़ों लोगों तक नशामुक्ति का संदेश पहुँचा। पुलिस मुख्यालय द्वारा जानकारी दी गई कि मप्र में 15 से 30 जुलाई तक संचालित यह अभियान राज्य शासन, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय विभाग,उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों एवं आम नागरिकों के सहयोग से जन आंदोलन का रूप ले सका। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्चक्र से दूर रखना, समाज में जागरूकता और सहानुभूति आधारित संवाद को प्रोत्साहित करना, नशा पीड़ितों को पुनर्वास, परामर्श और सहयोग से जोड़ना था।

सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में टामन सोनवानी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाला मामले में आयोग के पूर्व अध्यक्ष टामन सोनवानी को रिमांड खत्म होने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत के निर्देश पर टामन सोनवानी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत टामन सिंह सोनवानी को 25 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद अदालत ने उन्हें 31 जुलाई तक ईडी की कस्टोडियल रिमांड पर भेजा था। रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद ईडी ने उन्हें आज रायपुर की विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह मामला साल 2020 और 2021 की सीजीपीएससी राज्य सेवा परीक्षाओं में कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक करने, आपराधिक साजिश और वित्तीय अनियमितताओं (भ्रष्टाचार) से जुड़ा है। आरोप है कि सोनवानी ने अपने करीबी रिश्तेदारों और रसूखदार लोगों को लाभ पहुंचाने के बदले मोटी रकम और रिश्वत ली।

मणिपुर में अलग-अलग इलाकों से दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में उग्रवादियों, हथियारों एवं मादक पदार्थ समेत अन्य अपराधों के विरूद्ध पुलिस एवं सुरक्षा बलों का अभियान जारी है। इस कड़ी में राज्य के अलग-अलग हिस्सों से उग्रवादी संगठन केसीपी (नोयोन) गुट एक एवं प्रीपाक (प्रो) गुट के एक कुल दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। असम पुलिस मुख्यालय से शनिवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार 31 जुलाई को, सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के काकचिंग थानांतर्गत पल्लेल लीमानई चिंगजिन क्षेत्र से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (नोयोन) के एक सक्रिय कैडर स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट एक सारंगथेम राहुल सिंह को गिरफ्तार किया। वह , पल्लेल मायाई लीकाई का निवासी बताया गया है।

आईजीएनएफए से 111 भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थी पास आउट, उत्तराखंड को मिले पांच अधिकारी

देहरादून। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) के वर्ष 2024-26 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परिवीक्षार्थियों का दीक्षांत समारोह शनिवार को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के दीक्षांत-गृह में आयोजित किया गया। समारोह में कुल 111 परिवीक्षार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर पास आउट किया। इनमें 21 महिला प्रशिक्षु और भूटान के दो विदेशी प्रशिक्षु भी शामिल हैं। समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नवदीक्षित अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और सतत विकास के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय वन सेवा अधिकारी देश की प्राकृतिक धरोहर की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों से नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और आधुनिक तकनीक के समन्वय के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि एक सफल वन अधिकारी के लिए केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि सेवा भावना और नैतिक मूल्यों का होना भी आवश्यक है।

लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का अमर उद्घोष देने वाले लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर शनिवार को केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लोकमान्य तिलक ने जन-जन के मन में 'पूर्ण स्वराज्य' का मंत्र जागृत कर ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध क्रांति की लौ प्रज्वलित की। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए उनके अनन्य प्रयास आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र की उन्नति और प्रगति के लिए पूरी सामर्थ्य के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने लोकमान्य तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि तिलक के निर्भीक व्यक्तित्व, राष्ट्रवादी पत्रकारिता और जनजागरण के प्रयासों ने करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा। स्वदेशी आंदोलन, शिक्षा के प्रसार और राष्ट्रीय चेतना को सशक्त बनाने में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी।

केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट, कोझिकोड में बंद किए गए शैक्षणिक संस्थान

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम । केरल में शनिवार को भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 31 जुलाई और 1 अगस्त 2026 को केरल और लक्षद्वीप में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। इसके मद्देनजर कोझिकोड जिले के पहाड़ी इलाकों में सभी शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, केरल के कुछ इलाकों में भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। यहां 24 घंटे में 7 सेमी से 11 सेमी तक भारी बारिश और 12 सेमी से 20 सेमी तक अति भारी बारिश हो सकती है। 2 अगस्त को केरल में कुछ जगहों पर 7 से 11 सेमी बारिश और लक्षद्वीप में 31 जुलाई व 1 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई सुबह 8:30 बजे से 1 अगस्त सुबह 5:30 बजे तक केरल में कई जगहों

पर 60 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। पथानमथिट्टा रीजन के लाहा में 236 मिमी, वेंकुरिंजी में 198.5 मिमी और रन्नी चेथक्कल में 182.5 मिमी बारिश हुई। एर्नाकुलम क्षेत्र के नेरियामंगलम में 171.5 मिमी और कूथट्टुकुलम में 114.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। तिरुवनंतपुरम के पालोडे में 148.5 मिमी और थट्टाथुमाला में 92.0 मिमी दर्ज हुई। इसके अलावा, कोल्लम के पुनालुर में 119.0 मिमी, तेनमला में 69.0 मिमी, कन्नूर के अय्यनकुन्नु में 95.0 मिमी, चेंबेरी में 88.0 मिमी हुई।वहीं, कोझिकोड की कलेक्टर एमएस माधविकुट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लोगों, खासकर पहाड़ी इलाकों में रहने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इस वजह से एक अगस्त को शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।' हालांकि, पीएससी परीक्षाएं और यूनिवर्सिटी परीक्षाएं तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऑनलाइन क्लास पर छुट्टी का कोई असर नहीं पड़ेगा।

जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश से हालात बिगड़े, बादल फटने से पेहलीपोरा में कई घर डूबे

एजेंसी
शोपियां । जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। इसी बीच शोपियां जिले के पेहलीपोरा गांव में बादल फटने की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। शोपियां के पेहलीपोरा गांव में अचानक बादल फटने से तेज बहाव के साथ पानी आया। इस वजह से कई घर और पशुशालाएं पानी में डूब गईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ के जवान और स्थानीय लोग तुरंत बचाव कार्य में जुट गए। राहत दल गांव के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। पेहलीपोरा गांव के एक स्थानीय निवासी ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, 'भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और कई दिशाओं से पानी आने से कई घर डूब गए। गनीमत रही कि सभी को सुरक्षित बचा लिया गया। हम समय पर बचाव कार्य के लिए पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों के आभारी हैं।'

'विद्या वाहिनी' योजना का शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने छात्राओं को वितरित कीं निःशुल्क साइकिलें

मुख्यमंत्री ने छात्राओं की प्रतिभा और स्नेह की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्वी विनोद नगर स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित समारोह में दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी 'विद्या वाहिनी' योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद की उपस्थिति में दिल्ली सरकार के विद्यालयों में कक्षा 9 में अध्ययनरत 3,000 से अधिक छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं से आत्मीय संवाद किया, उनकी पढ़ाई, भविष्य की योजनाओं और सपनों के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें पूरे आत्मविश्वास और समर्पण के साथ

शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं की प्रतिभा और स्नेह की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम नारी शक्ति के सम्मान और प्रत्येक बेटी को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण में महिला-नेतृत्व वाले विकास को केंद्र में रखा है तथा शिक्षा को महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम माना है। 'विद्या वाहिनी' योजना उसी दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विद्या वाहिनी' योजना के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से दिल्ली सरकार के विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 1.40 लाख छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें उपलब्ध कराई जाएंगी और यह योजना आगे के वर्षों में भी इसी तरह जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना छात्राओं के विद्यालय तक सुरक्षित एवं सुगम आवागमन को सुनिश्चित करेगी, उनके समय की बचत करेगी, विद्यालयों में नियमित उपस्थिति बढ़ाएगी, ड्रॉपआउट की संभावना को कम करेगी तथा अभिभावकों की दैनिक चिंता को भी कम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साइकिल केवल परिवहन का साधन नहीं होती, बल्कि यह स्वतंत्रता, आत्मविश्वास, गरिमा, आत्मनिर्भरता और अवसर का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है।

शिवराज सिंह से मिले विष्णुदेव साय

बस्तर के विकास को नई रफ्तार देने की तैयारी

एजेंसी
नई दिल्ली। बस्तर जैसे दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से सकारात्मक रूख दिखाते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है। कृषि भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से मुलाकात की। इस बैठक में बस्तर क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करने पर सकारात्मक रूप से चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में संशोधन कर अरुणाचल प्रदेश की तर्ज पर 10 किलोमीटर की परिधि को एक क्लस्टर मानने का प्रस्ताव रखा। वर्तमान व्यवस्था में 500 मीटर की सीमा के कारण बस्तर के कई छोटे और बिखरे गांव सड़क सुविधा से वंचित रह जाते हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और राज्य

के सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर सड़क संपर्क शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है।बैठक में राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने भी प्रदेश में चल रहे ग्रामीण विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

'हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं'

पप्पू यादव के खिलाफ थाने में शिकायत; साधु बनकर पहुंचे थे संसद

एजेंसी
नइ दिल्ली। जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में सांसद पप्पू यादव के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत सूर्य मैथिल नाम के एक व्यक्ति ने दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने पप्पू यादव पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है।

सूर्य मैथिल ने अपनी शिकायत में कहा है कि संसद परिसर के अंदर पप्पू यादव ने एक विरोध-प्रदर्शन किया था। इस विरोध-प्रदर्शन के तरीके और विषय-वस्तु से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत में पप्पू यादव के कृत्य को आपत्तिजनक बताया गया है। पुलिस ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया है। मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। यह जांच शिकायत की सत्यता का पता लगाने के लिए की जा रही है।

संसद में भगवा भेष में पुजारी बनकर पहुंचे थे पप्पू

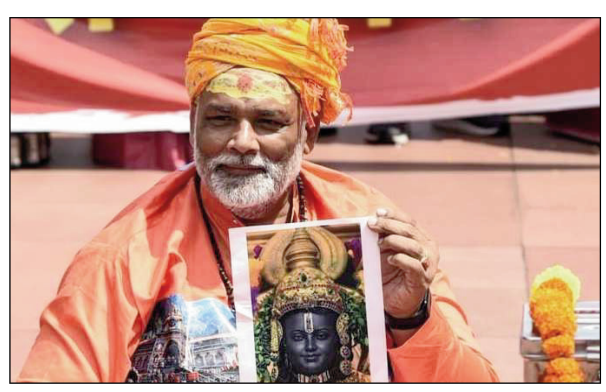

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने साधु के कपड़े पहनकर संसद परिसर में अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी को दिखाने वाला प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ विपक्ष के कई अन्य सांसद भी मौजूद थे।

राहुल गांधी ने चढ़ावा चढ़ाया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। यह प्रदर्शन अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित चोरी और 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में किया गया। साधु के भेष में सांसद पप्पू यादव ने 'चढ़ावा' बटोरते नजर आए, जबकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें चढ़ावा चढ़ाया।

स्थानीय अनुभव, वैज्ञानिक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व का संगम हैं ग्रासरूट्स नवाचार : राष्ट्रपति

नवाचार प्रदर्शनी का अवलोकन किया

एजेंसी
नइ दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत अपनी विशालता और नवाचार की भावना के बल पर ग्रासरूट्स (जमीनी स्तर के) नवाचारों की वैश्विक शक्ति बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार समाज की जरूरतों के अधिक अनुकूल होते हैं क्योंकि इनमें स्थानीय अनुभव, वैज्ञानिक सोच, व्यक्तिगत सृजनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश होता है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अटल नवाचार मिशन (एआईएम) के ग्रासरूट्स इनोवेटर्स के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नवाचार प्रदर्शनी का अवलोकन किया और नवाचारकर्ताओं से बातचीत भी की। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह देखकर प्रसन्नता हुई कि देशभर के नवाचारकर्ता स्थानीय समस्याओं के ऐसे समाधान विकसित कर रहे हैं, जिनका महत्व राष्ट्रीय स्तर पर भी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में अपशिष्ट से संपदा (वेस्ट टू वेल्थ), ऊर्जा संरक्षण, महिलाओं और दिव्यांगजनों की सुविधा, पर्यावरण संरक्षण, कृषि तथा कला संरक्षण जैसे क्षेत्रों में विकसित नवाचार समाज के लिए उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आती हैं और बचपन से उन्होंने देखा है कि गांवों के लोगों के पास व्यावहारिक ज्ञान का समृद्ध भंडार होता है। किसान अपने अनुभव से खेती में नए प्रयोग करते हैं, महिलाएं उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करती हैं और स्थानीय कारीगर सीमित साधनों से उपयोगी वस्तुएं तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि यही सोच नवाचार की वास्तविक नींव है। राष्ट्रपति ने कहा कि समाज में परिवर्तन केवल विचारों

से नहीं आता, बल्कि उन्हें आगे बढ़ाने के लिए ऐसा वातावरण जरूरी है जो प्रतिभाओं को मार्गदर्शन, संसाधन और उचित मंच उपलब्ध कराए। उन्होंने अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटरों की सराहना करते हुए कहा कि ये केंद्र जमीनी स्तर के नवाचारकर्ताओं को तकनीकी सहायता देने और उनके विचारों को सफल उद्यम में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पाकिस्तान की डीपफेक वाली साजिश

खुफिया एजेंसियों का दावा- फैला रहा पीएम के फर्जी वीडियो; क्या करना चाहता है पाक?

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर बनाए गए डीपफेक वीडियो की संख्या में अचानक बढ़ोतरी हुई है। एजेंसियों के अनुसार, इन वीडियो का मकसद युवाओं, खासकर छात्रों को भड़काकर दोबारा विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसाना है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें यह दावा किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री हाल के छात्र प्रदर्शनों में शामिल युवाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना चाहते हैं।

पाकिस्तान कैसे रच रहा साजिश?

एक खुफिया अधिकारी के अनुसार, इन वीडियो को कथित तौर पर पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया हैंडल बड़े पैमाने पर प्रसारित कर रहे हैं। अधिकारी का दावा है कि इनका मकसद छात्रों को फिर से सड़कों पर लाना और इस बार उनका गुस्सा सीधे प्रधानमंत्री मोदी की ओर मोड़ना है। अधिकारी ने कहा कि हालिया प्रदर्शनों के दौरान छात्रों का मुख्य मुद्दा नीट पेपर लीक था। केंद्र

सरकार की ओर से तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ कार्रवाई के बाद स्थिति शांत हो गई थी। उनका दावा है कि अब कथित पाकिस्तानी हैंडल केवल प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बना रहे हैं और छात्रों के जरिए राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर कार्रवाई को लेकर क्या बोली थी सरकार?

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई दंडात्मक या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पिछले सप्ताह दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और महाराष्ट्र की सरकारों ने भी छात्रों को ऐसा भरोसा दिया था। दिल्ली सरकार ने भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजधानी में नीट-यूजी विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके साथ ही प्रदर्शन से जुड़े 13 एफआईआर मामलों की कार्यवाही बंद करने का आदेश भी दिया गया।

भ्रामक दावों पर क्या बोलीं खुफिया एजेंसियां?

एक अधिकारी ने कहा कि सरकार ने साफ संकेत दिया है कि वह टकराव नहीं, बल्कि समाधान चाहती है। उनके अनुसार, इसी वजह से कथित आईएसआई समर्थित तत्वों ने फर्जी वीडियो और भ्रामक दावों का प्रसार तेज कर दिया है।

अधिकारी का दावा है कि इन तत्वों ने प्रधानमंत्री मोदी के कई डीपफेक वीडियो प्रसारित किए हैं, जिनमें उन्हें यह कहते हुए दिखाया गया है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक बदले हुए वीडियो में प्रधानमंत्री को यह कहते हुए सुनाया जा रहा है कि भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

बाढ़ से जूझ रहा असम: मृतकों की संख्या बढ़कर 82 पहुंची

राज्य सरकार ने बीमा और कर्ज में राहत देने का किया एलान

एजेंसी
गुवाहाटी। असम के शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव और चराइदेव जिले बाढ़ की चपेट में बने हुए हैं। राज्य में अभी भी 1.92 लाख लोग प्रभावित हैं। वहीं, दो और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 82 हो गई है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी।

अधिकारियों ने लोगों से क्या आग्रह किया?

गुरुवार से बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, जब आठ जिलों में दो लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि, गोलाघाट के शिवसागर और नुमालीगढ़ में दिखो और धनसिरी नदियों में गंभीर बाढ़ की स्थिति बताई गई है।

अधिकारियों ने लोगों से वहां से दूर रहने का आग्रह किया है।अधिकारियों ने बताया कि लगभग 13,000 लोगों को 54 राहत शिविरों में आश्रय दिया गया है। इसके अलावा 26 राहत वितरण केंद्र भी खुले हैं, जहां 5,384 लोगों को सहायता दी जा रही है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित कई एजेंसियां राहत अभियान चला रही हैं। राज्य सरकार ने इन क्षेत्रों के

ग्राहकों के दावों के शीघ्र निपटान और उन्हें मोहलत देने के लिए बीमा कंपनियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से संपर्क करने का निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षति का शीघ्र आकलन करना भी था ताकि मरम्मत के लिए धनराशि जल्द से जल्द वितरित की जा सके।

कहां कितने लोग प्रभावित हुए?

शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव और चराइदेव जिले बाढ़ की चपेट में बने रहे। प्रभावित लोगों की संख्या 1,92,799 थी, जिनमें चराइदेव सबसे अधिक प्रभावित था, जहां 77,456 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए, इसके बाद शिवसागर में 63,492 और जोरहाट में 34,067 लोग प्रभावित हुए।

मुख्यमंत्री सरमा ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने निजी और सरकारी बीमा कंपनियों के साथ 5 अगस्त को बैठक बुलाने का फैसला किया है ताकि उनसे बीमित क्षतिग्रस्त वाहनों, पशुधन और अन्य संपत्तियों के दावों का शीघ्र निपटान करने का आग्रह किया जा सके।

कर्ज चुकाने के लिए कितनी मोहलत दी जाएगी?

सरकार उसी दिन एनबीसीएफसी से भी मुलाकात करेगी। उनसे इन चार जिलों के कर्जदारों को कर्ज चुकाने पर रोक लगाने का अनुरोध करेगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) की विशेष बैठक की अध्यक्षता करने के एक दिन बाद हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि चार जिलों में बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों को कर्ज चुकाने के लिए छह महीने की मोहलत दी जाएगी।

केरल: वायनाड और कोझिकोड समेत राज्य के आठ जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी, एक महिला की मौत

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम । आईएमडी की ओर से शनिवार को केरल के आठ जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने कासरगोड, कन्नूर, वायनाड, कोझिकोड, मलप्पुरम, कोट्टायम, इडुक्की और पथनमथिट्टा जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, पलक्कड़, त्रिशूर और एर्नाकुलम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए गए हैं, जबकि अलप्पुझा, कोल्लम और तिरुवनंतपुरम के लिए येलो अलर्ट जारी किए गए हैं। इससे पहले मौसम विभाग की ओर से 31 जुलाई और 1 अगस्त को केरल और लक्षद्वीप में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं का पूर्वानुमान लगया। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान की आशंका को देखते हुए कोझिकोड जिले के पहाड़ी इलाकों में सभी शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरल के कुछ इलाकों में भारी से अति भारी बारिश का पूर्वानुमान है। यहां 24 घंटे में 7 सेमी से 11 सेमी तक भारी बारिश और 12 सेमी से 20 सेमी तक अति भारी बारिश हो सकती है। 2 अगस्त को केरल में कुछ जगहों पर 7 से 11 सेमी बारिश और लक्षद्वीप में 31 जुलाई व 1 अगस्त को भारी बारिश होने की आशंका है।

पथानमथिट्टा रीजन के लाहा में 236 मिमी, वेंकुरिंजी में 198.5 मिमी, और रन्नी चेथक्कल में 182.5 मिमी बारिश हुई। एर्नाकुलम क्षेत्र के नेरियामंगलम में 171.5 मिमी और कूथट्टुकुलम में 114.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। तिरुवनंतपुरम के पालोडे में 148.5 मिमी और थट्टाथुमाला में 92.0 मिमी दर्ज हुई। इसके अलावा, कोल्लम के पुनालुर में 119.0 मिमी, तेनमला में 69.0 मिमी, कन्नूर के अय्यनकुन्नु में 95.0 मिमी, चेंबेरी में 88.0 मिमी हुई।वहीं, कोझिकोड की कलेक्टर एमएस माधविकुट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लोगों, खासकर पहाड़ी इलाकों में रहने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इस वजह से एक अगस्त को शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। 'हालांकि, पीएससी परीक्षाएं और यूनिवर्सिटी परीक्षाएं तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऑनलाइन क्लास पर छुट्टी का कोई असर नहीं पड़ेगा। भारी बारिश की वजह से आज (शनिवार) मालाबार रिवर फेस्टिवल में होने वाले व्हाइट-वाटर कयाकिंग कॉम्पिटिशन कैंसिल कर दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए खुशखबरी

फिट हुआ टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी बुमराह

नई दिल्ली। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का भी ऐलान हो चुका है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर हुआ था। अब इनमें से एक खिलाड़ी पूरी तरह फिट हो गया है और टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को खुशखबरी मिली है। जानकारी के मुताबिक भारत के स्टार तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। पीटीआई की जानकारी के मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। अब उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है। बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं।'

हर्षित, नितीश, सुंदर सीरीज से बाहर– भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला से पहले भारत के लिए श्रीलंका में श्रृंखला को 2–0 के अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

इंडिया रॉयल्स का जीत से आगाज

बांग्लादेश को 19 रन से हराया; अंकतालिका में पाकिस्तान आखिरी पायदान पर

नई दिल्ली। जाम्बिया में खेली जा रही एशियन लीजेंड्स लीग 2026 के अपने पहले मुकाबले में इंडिया रॉयल्स की टीम ने बांग्लादेश टाइगर्स को मात दी है। इस मुकाबले में भारत के लिए नमन ओझा ने कप्तानी की। शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायडू, हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस मुकाबले में नहीं उतरे थे। अब रविवार को भारत का अगला मैच पाकिस्तान पैंथर्स की टीम से होगा। उस मुकाबले में कांटे की भिड़ंत हो सकती है। इस मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान नमन ओझा ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी चुनी थी। वह कुछ खास नहीं कर पाए थे और पारी की शुरुआत करते हुए 8 गेंद पर सिर्फ 1 रन बना सके। उनके बाद अभिषेक जलोटा 26 और असद पठान ने 22 रन की पारी खेली। अंत में सरुल कनवर ने नाबाद रहते हुए 40 रन की पारी खेली। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारत के लिए शादाब जकाती सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके अलावा अनुरीत सिंह ने किफायती गेंदबाजी के साथ–साथ दो विकेट भी झटके। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 12 रन ही दिए। अभिषेक जलोटा भी किफायती रहे। अभिषेक ने 3 ओवर में 11 रन देकर 1 विकेट झटका।

भारत–पाकिस्तान का महामुकाबला, धवन, रैना, पठान समेत कई दिग्गज होंगे एक्शन में– इसी के साथ भारत ने बांग्लादेश को 136 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। भारत के लक्ष्य के सामने बांग्लादेश टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी।

तेजस्विन को घुटने में दिक्कत

जब तेजस्विन ने डेकाथलन की शुरुआत 100 मीटर इवेंट में 10.96 सेकेंड के साथ की तो ऐसा लगा कि घुटने में दिक्कत हो रही है, लेकिन लॉन्ग जंप के दूसरे इवेंट तक उन्होंने साबित कर दिया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। तेजस्विन ने लॉन्ग जंप में 7.82 मीटकर का रिकॉर्ड बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन है। इससे पहले उनका पर्सनल बेस्ट 7.67 मीटर था।

तेजस्विन शंकर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाये। उनका नेशनल रिकॉर्ड 8057 पॉइंट्स का है। लंबे समय से चली आ रही घुटने की समस्या के कारण तेजस्विन ने ग्लास्गो खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा से नाम वापिस ले लिया था। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था। इसके साथ ही वह दो राष्ट्रमंडल खेलों में अलग अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय बन गए।

शॉट पुट में औसत प्रदर्शन– शॉट पुट में तेजस्विन ने फिर से औसत प्रदर्शन किया और अपनी तीन कोशिशों में 13.09मीटर का बेस्ट थ्रो करके इवेंट को सातवें स्थान पर खत्म किया। फिर हाई जंप की बारी आई, जो शंकर का मजबूत पक्ष है। 2.29 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन घुटने की दिक्कत की वजह से उन्होंने 2.15 मीटर का बेस्ट जंप रिकॉर्ड किया और कुल 944 पॉइंट्स कमाए।

आठ इवेंट के बाद चौथे पर थे तेजस्विन– दिन के आखिरी इवेंट 400मीटर में तेजस्विन अपने पर्सनल बेस्ट 48.29 सेकेंड से काफी पीछे थे, लेकिन उन्होंने 49.51 सेकेंड का समय निकाला। पोल वॉल्ट में तेजस्विन ने 4.30 मीटर बहुत आसानी से पार कर लिया। आठ इवेंट के बाद, तेजस्विन 6637 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे, जबकि सैमी बॉल 6650 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर थे।

जेवलिन थ्रो के बाद तीसरे पर पहुंचे तेजस्विन– विक्टर ने जेवलिन थ्रो में 63.06 मीटर के बड़े थ्रो के साथ अपना गोल्ड मेडल पक्का किया और दूसरे नंबर पर रहे वार्नर से बड़ी बढ़त बना ली, जबकि तेजस्विन ने 53.12मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंका और 7272 पॉइंट्स के साथ मेडल की पोजीशन पर वापस आ गए।

तेजस्विन ने भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था

हांगझोउ एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता 27 वर्ष के तेजस्विन कनाडा के डेमियन वार्नर से पिछड़ गए जिन्होंने 8036 अंक लेकर रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर ने 8096 अंक लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तेजस्विन ने 9वीं स्पर्धा भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था। 1500 मीटर में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उसे बरकरार रखा।

नीरज चोपड़ा को रजत से करना पड़ा संतोष

- यशवीर ने 4 एथलीटों को पछाड़ ब्रॉन्ज झटका

नई दिल्ली। भारतीय भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा कठिन हालात में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यशवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार (31 जुलाई) को आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 4 एथलीटों को पछाड़ा। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन 28 वर्ष के नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.83 मीटर थ्रो फेंका जो दूसरे स्थान पर रहने के लिये काफी था। वह 19 जून को दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

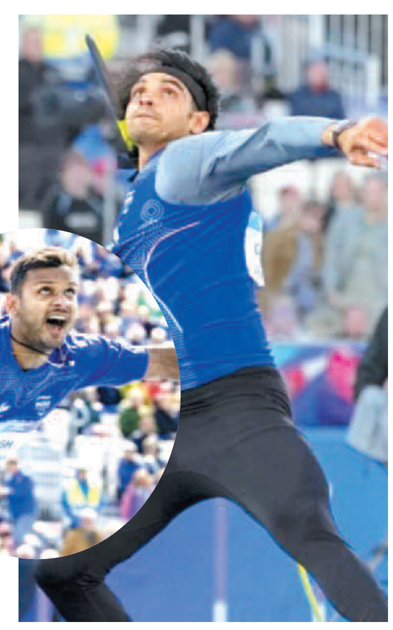

सातवें से तीसरे पर पहुंचे यशवीर– राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार उतरे 24 बरस के यशवीर ने छठे और आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर थ्रो फेंककर सभी को चौंका दिया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर था। वह पांचवें दौर के बाद 81.33 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से सातवें स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास जबर्दस्त रहा। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले यशवीर छठे पर थे। वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वालकॉट ने 82.55 मीटर का थ्रो किया और भारतीय एथलीट सातवें पर पहुंच गया।

रूमेश थरंगा पथिरागे ने स्वर्ण जीता

श्रीलंका के स्टार रूमेश थरंगा पथिरागे ने अपेक्षा के अनुरूप 89.75 मीटर फेंककर स्वर्ण पदक जीता। बेहद सर्दी और तेज हवाओं के प्रदर्शन उनका यह प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंन जून में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंका था।

अरशद नदीम 3 दौर के बाद बाहर– भारत के रोहित यादव 81.56 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे। वह कुछ देर के लिए तीसरे नंबर पर रहे, 81.56 मीटर के थ्रो के बाद काफी संघर्ष करते दिखे। पाकिस्तान के गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 77 .41 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदार और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट छठे स्थान पर रहे।

हर्ष-अस्मिता गोल्ड, यामिनी ने जूडो में जीता सिल्वर

भारत के 20 पदक पूरे, 10वें दिन 13 मेडल दांव पर

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 20 मेडल पूरे हो गए हैं। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह के गोल्ड के बाद 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में यामिनी मौर्या इंग्लैंड की असेल्या टोपरैक से हार गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा है। भारत को 9वें दिन जूडो में दो गोल्ड और एक सिल्वर मिला और कुल पदकों की संख्या 20 तक पहुंच गई। नीरज चोपड़ा के मुकाबले का हालांकि, सभी को इंतजार है। अब 10वें दिन की बात करें तो 13 मेडल दांव पर होने वाले हैं। वहीं बॉक्सिंग में भारत के पांच फाइनल मुकाबले होंगे। प्रीति पवार, अरुंधति चौधरी, जदुमणि सिंह, अंकुश पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के फाइनल मुकाबले 10वें दिन 1 अगस्त 2026 को होंगे। यानी भारत को पांच मेडल बॉक्सिंग में मिल सकते हैं। इसके अलावा एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी गोल्ड मेडल दांव पर होंगे।

बॉक्सर अंकुश पंघाल की फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में प्रीति पवार के बाद 31 जुलाई शुक्रवार को भारत के एक और मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बना ली। 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अंशुल पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया और अपना कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया।

उनसे पहले महिला 54 किलोग्राम सेमीफाइनल मैच में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराते हुए फाइनल में एंट्री की थी। अंकुश पंघाल की लगातार दूसरे मैच में यह 5-0 से जीत है।

पाकिस्तान पैंथर्स को एशियन स्टार्स ने हराया

- डक पर आउट होने वाले दिलशान बने प्लेयर ऑफ द मैच, देवेन्द्र ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस सीजन के दूसरे मैच में पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स के साथ हुआ। मेहरान खान की कप्तानी में एशियन स्टार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को आसानी से 85 रन से हरा दिया और इस टीम की जीत में देवेंद्र सिंह की नाबाद तेज अर्धशतकीय पारी व तिलककरत्ने दिलशान की बेहतरीन गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में एशियन स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और इसके बाद 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का अच्छा स्कोर खड़ा दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान पैंथर्स की टीम की बल्लेबाजी एशियन स्टार्स की गेंदबाजी के सामने पूरी तरह से बिखर गई और ये टीम 20 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। दिलशान हालांकि इस मैच में डक पर आउट हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मिनट में दूसरा गोल्ड

प्रीति के बाद जैस्मिन ने बॉक्सिंग का फाइनल जीता

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने सातवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी कैटेगरी के फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को हराकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस बॉक्सिंग के 54 केजी वर्ग में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत के 7 गोल्ड सहित कुल 27 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है।वहीं, भारत के 8 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे।

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

जसपाल राणा से अभिवन बिंद्रा तक...

12 भारतीयों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 5 से ज्यादा मेडल, पांच ओलंपिक मेडलिस्ट भी बने

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं हैं, लेकिन 5 या उससे ज्यादा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। भारतीय खिलाड़ियों ने वैसे तो कॉमनवेल्थ गेम्स में कई प्रतियोगिताओं में मेजल जीतने का कमाल किया है, लेकिन सबसे ज्यादा सफलता भारतीय खिलाड़ियों को शूटिंग में ही मिली है और आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

जसपाल राणा ने जीते सबसे ज्यादा 15 पदक– कॉमवेल्थगेम्स गेम्स के इतिहास में ऐसे कौन-कौन खिलाड़ियों हैं जिन्होंने भारत के लिए 5 या उससे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल किया है हम ऐसे 12 खिलाड़ियों का जिक्र करने जा रहे हैं और यही नहीं इन 12 खिलाड़ियों में 5 ऐसे भी हैं जिन्होंने ओलंपिक में भी देश के लिए मेडल जीते हैं। कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल पूर्व भारतीय शूटर जसपाल राणा ने किया था जिन्होंने कुल 15 पदक अपने नाम किए थे जिसमें 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रान्ज मेडल शामिल थे। हालांकि राणा कभी देश के लिए ओलंपिक मेडल नहीं जीत पाए थे।

समरेश जंग ने भी लहराया परचम– समरेश जंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में अपना परचम जब-जब मौका मिला लहराया और उन्होंने कुल 14 पदक देश के लिए जीते थे जिसमें 7 गोल्ड, 5 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल थे। हालांकि समरेश भी कभी ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत पाए। भारत के स्टार टेबल टेनिस प्लेयर अचंता शरत कमल ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में अपना लोहा मनवाया था और 13 पदक इसकी गवाही देते हैं। उन्होंने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में कुल 7 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। गगन नारंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 10 मेडल जीते थे और उन्होंने 2012 ओलंपिक में भी देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने का कमाल किया था।

अभिनव बिंद्रा के नाम कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 7 पदक– भारतीय शूटिंग के सरताज अभिनव बिंद्रा ने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में देश के लिए कुल 7 मेडल जीतने का कमाल किया था जिसमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल थे तो वहीं अभिनव ने साल 2008 ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया था। शूटर तेजस्विनी सावंत ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए कुल 7 मेडल जीते थे जबकि विजय कुमार ने 6 मेडल जीतने का कमाल किया था और विजय ने 2012 ओलंपिक में भी भारत के लिए सिल्वर जीता था।

द इंडिया... का क्लाइमैक्स निभाना आसान नहीं था

श्रेयस तल्पदे इन दिनों अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ काजल अग्रवाल भी हैं। श्रेयस ने खास बातचीत में अपने किरदार, फिल्म के विषय और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभव साझा किए...

बतौर एक्टर आपके लिए 'द इंडिया स्टोरी' की सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

'द इंडिया स्टोरी' का सबसे मुश्किल हिस्सा क्लाइमैक्स का एक इमोशनल सीन था। अस्पताल के माहौल में पिता और बेटी के संघर्ष को इतनी वास्तविकता के साथ फिल्माया गया कि उसे निभाना मेरे लिए भी काफी डिस्टबिंग रहा। कुछ सीन कलाकार के मन में लंबे समय तक रह जाते हैं और यह उन्हीं में से एक है। हालांकि निर्देशक और पूरी टीम के सहयोग से उस चुनौती को पार कर पाया।

यह फिल्म करने के बाद आप खुद खाद्य पदार्थों को लेकर कितने सतर्क हुए हैं?

इस फिल्म के बाद मैं खुद भी ज्यादा सावधान हो गया हूं। डेयरी प्रोडक्ट्स काफी कम कर दिए हैं और कच्ची सब्जियां सीधे खाने के बजाय स्टीम करके खाता हूं। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जो खाना उनकी थाली में है, वह कहां से आ रहा है, उसमें कितना कीटनाशक इस्तेमाल हुआ है और वह किस स्रोत से आया है। जब उपभोक्ता जागरूक होकर सवाल पूछेंगे, तब खाद्य उत्पादकों को भी बेहतर और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

असल भीड़ के साथ शूट करने में कोई परेशानी हुई?

हमारे डायरेक्टर ने जिस तरह से सीन सेटअप किया था, जो माहौल क्रिएट किया है, वह बहुत ही रियलिस्टिक रहा। जैसे हॉस्टिपटल के कुछ सीक्वेंस और कोर्ट के अंदर-बाहर के कुछ सीन सीक्वेंस हैं। वहां जितने क्राउड की जरूरत थी, उन्हें रियल में बुलाकर फिल्माया गया है। पूरे क्राउड के साथ शूट करने का फिल्म पर एक अलग ही असर होता है।

स्क्रिप्ट चुनने का पैमाना क्या है?

कहानी से एक जुड़ाव महसूस होना जरूरी है। ऐसा लगना चाहिए कि यह कहानी बतौर एक्टर मेरे पोटेंशियल को थोड़ा चैलेंज करेगी। मैं इस कहानी के जरिए दर्शकों को कुछ नया दिखा पाऊंगा। हमारे फैंस भी चाहते हैं कि हम कुछ न कुछ नया लेकर आएं। ऐसा लगता है कि कहानी दिलचस्प हो सकती है, तब उसे करने के लिए तैयार हो जाता हूं।

पहली बार काजल अग्रवाल के साथ काम की यादें और काई वाकया साझा करेंगे?

काजल बहुत सुलझी हुई, समझदार और प्रोफेशनल एक्ट्रेस हैं। सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। अगर ऐसे शानदार एक्ट्रेस हों, तब उनके होने से सामने वाले का काम बेहतर हो जाता है। ऑफकोर्स, हमारे बीच खाने, स्क्रिप्ट और बच्चों को लेकर काफी डिसकशन होते थे।

विद्या बालन की चर्चित फ्रैंचाइजी 'कहानी 3' में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

अगले साल तक के लिए टल सकती है सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। इस फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 में तय की गई थी, लेकिन रीशूट और स्क्रिप्ट में बदलाव के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज साल 2027 तक के लिए आगे खिसक सकती है। फिल्म के कंटेंट और चीन से जुड़े संवेदनशील संदर्भों को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि अगर ये समस्याएं जल्द ही हल हो भी जाती हैं, तब भी 2026 में एक उपयुक्त रिलीज स्लॉट मिलना काफी मुश्किल होगा, क्योंकि साल की ज्यादातर बड़ी और खास डेट्स पहले ही दूसरी फिल्मों द्वारा बुक की जा चुकी हैं। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सभी मुद्दे समय रहते सुलझ जाते हैं, तो मेकर्स इसे इसी साल दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने पर विचार कर सकते हैं।

गोविंदा वाली कॉमेडी फिर लौटानी है

'किल' में खतरनाक विलेन बनकर चौंकाने वाले राघव जुयाल अब कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ लौट रहे हैं। वह खुद को हीरोइक जॉनर में लेकर आ गए हैं। नई फिल्म को लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

बचपन में परिवार एक साथ थिएटर जाकर कॉमेडी फिल्में देखा करता था। आज भी दर्शकों के भीतर उसी तरह की फिल्मों की भूख मौजूद है, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी फिल्में कम बन रही हैं। मेरे लिए 'भाई तेरा स्टार है' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं है। यह एक मिशन जैसी है। मैं चाहता हूं कि लोग फिर से थिएटर में बैठकर बिना दिमाग पर बोझ लिए खुलकर हंसें। मुझे लगता है कि गोविंदा सर वाली जो मास एंटरटेनर कॉमेडी थी, उसकी जगह आज भी खाली है। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मेरे कॉमिक अंदाज को दर्शकों ने पसंद किया। इसी ने मेरा भरोसा मजबूत किया कि अच्छी कॉमेडी की आज भी ऑडियंस है। दर्शक सिर्फ बड़े स्टार नहीं देखते, अच्छी कहानी, नए चेहरों को भी अपनाते हैं। मैं फिल्म 'भाई तेरा स्टार...' में ऐसे लड़के का रोल कर रहा हूं, जो खुद को भविष्य का सुपरस्टार मानता है। उसके सपने बड़े हैं, पर जेब छोटी है। एक डॉन से पैसे लेने के बाद उसकी जिंदगी में गलतफहमियों और भाग-दौड़ का सिलसिला शुरू हो जाता है। उसका कॉन्फिडेंस ही उसकी ताकत भी है और मुसीबत भी।

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'छत्रपझ्रति शिवाजी महाराज' में हुई भूमि पेडनेकर की एंट्री

'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की एंट्री हो गई है। जानिए भूमि इस फिल्म में किसका किरदार निभाएंगी। साल 2022 में 'कांतारा' और 2025 में 'कांतारा चैप्टर 1' से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेमा ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रसे भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। सोमवार को मेकर्स ने इसकी घोषणा की।

बेलवाडी मल्लम्मा के किरदार में होंगी भूमि

फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने चार माह के बेटे को गोद में लेकर शिवाजी महाराज की सेना से युद्ध लड़ी थीं।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा - क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते। वे ईश्वर के साथ होने वाली ऐसी बातचीत होते हैं, जो वहां से वापस आने के बाद भी लंबे समय तक इंसान के मन में चलती रहती है। अभिनेत्री के इस आध्यात्मिक अनुभव को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

8 चीजें जिन्होने बदल दी आपकी
जीवन शैली

कभी आपने इस बात पर गौर किया है कि आज से दस-पंद्रह वर्ष पहले तक आपके बैंक का काम कैसे होता था, बच्चों के स्कूल कॉलेज में एडमिशन फॉर्म कैसे भरे जाते थे, उनका रिजल्ट कैसे देखा जाता था, आप रेलवे का रिजर्वेशन कैसे करवाती थीं, ऑफिस में कामकाज का तरीका कैसा था, शॉपिंग कैसे होती थी.. न जाने ऐसे ही कितने सवालों की लंबी सूची है, जिनका जवाब आज के संदर्भ में बिलकुल बदल गया है।

ग्लोबलाइजेशन, विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आ रहे बदलाव और सूचना क्रांति ने भारतीय समाज को इस तरह प्रभावित किया है कि कुछ वर्षो में ही भारतीय समाज और जीवनशैली में इतना जबर्दस्त बदलाव आ गया है कि उसका स्पष्ट प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में नजर आता है। चाहे वह रहन-सहन और खानपान की शैली हो या फिर लोगों के कामकाज और सोचने का तरीका। पहले की तुलना में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। बदलाव की इस दौड़ में समाज का हर वर्ग पूरे जोशखरोश के साथ शमिल है क्योंकि सभी को यह मालूम है कि आज जो इंसान वक्त के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेगा वह पिछड़ जाएगा।

हमारी जीवनशैली पर किन बातों ने सबसे अधिक प्रभाव डाला है, आइए डालते है उन पर एक नजर।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है।90 के दशक तक गिने-चुने लोगों के पास ही मोबाइल होता था और इनकमिंग कॉल्स भी पेड होती थीं। किसी को भी लोग अपना मोबाइल नंबर बताने से हिचकिचाते थे। पर अब मोबाइल समाज के हर तबके के लिए सर्वसुलभ है। आज आप अपने घर पर काम करने वाली घरेलू नौकरानी के मोबाइल पर फोन करके उससे आसानी पूछ सकती है

कि उसके आने में अभी कितनी देर है।

मोबाइल से एस.एम.एस. की नई संस्कृति विकसित हुई है, जो युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। क्योंकि इससे कम खर्च और कम समय में आप दूसरों तक अपना संदेश पहुंचा सकते है। इसके जरिये एक-दूसरे को बधाई संदेश और जोक्स भेजने का चलन तो पुराना हो चुका है। अब युवाओं के बीच मोबाइल के जरिये चैटिंग काफी लोकप्रिय हो रहा है। फोटो खींचने, रिकॉर्डिंग करने और गाने सुनने के लिए तो मोबाइल का इस्तेमाल होता ही है। अब थ्री जी मोबाइल उपलब्ध है, जिनमे इन फीचर्स के अलावा कई नई सुविधाएं उपलब्ध हैं और यह आपके लिए कंप्यूटर का भी काम करता है।

मोबाइल ने युवाओं के बीच प्रेम की अभिव्यक्ति को भी बहुत आसान बना दिया है। इस संदर्भ में 36 वर्षीय आई.टी. प्रोफेशनल नितिन जोशी कहते है, एक दशक पहले अगर किसी लड़की को 'आई लव यू' बोलना होता था तो हम दस बार सोचकर भी हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। लेकिन मोबाइल के कारण आज के युवाओं के लिए यह बहुत आसान हो गया है।

कंप्यूटर के नए रूप

याद कीजिए जब पूरे ऑफिस में सिर्फ़ एक अदद कंप्यूटर होता था। जिस पर बारी-बारी से सभी अपना हाथ आजमाते थे। कंप्यूटर तब एक हौवा हुआ करता था, हमेशा लोगों के मन में यही डर बना रहता था कि सिस्टम छूते ही कहीं कोई गड़बड़ी न हो जाए। इसमें कोई ताज्जुब नहीं कि विशालकाय और ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन वाले कंप्यूटर्स जल्द ही म्यूजियम की शोभा बढ़ाने लगेंगे। कलर्ड टीएफटी मॉनिटर और आधुनिकतम सॉफ्टवेयर्स से लैस कंप्यूटर अब हमारी जरूरत बन चुके है। कवि योगेन्द्र मौद्गिल कहते है, %अब वे दिन लद गए जब लेखक और कवि लिखने के लिए कागज और कलम पर आश्रित रहते थे। पिछले आठ वर्षो से मैंने लिखने का हाइटेक तरीका अपना लिया है, जब सारी दुनिया आगे बढ़ रही है तो हम क्यों पीछे रहे। इससे हम अपनी रचना का बड़ी आसानी से संपादन कर सकते है और उसे सुरक्षित रख सकते है। अब मैं लंबी यात्रा के दौरान मैं आराम से लेखन कार्य कर पाता हूं।% अब पॉम टॉप कंप्यूटर ने जीवन को और भी आसान बना दिया। आपकी हथेलियों के बीच समा जाने वाले इस छोटे कंप्यूटर से आप जब और जहां चाहे वहां बैठ कर अपने ऑफिस के सारे काम निबटा सकते है।

आज कंप्यूटर समाज के हर वर्ग की जरूरत बन चुका है गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ गांवों में स्वयंसेवी संस्थाओं में काम करने वाली अल्पशिक्षित स्त्रियां भी अपने कामकाज के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल करने लगी है। यह बदलाव निश्चय ही सुखद है।

मोबाइल

ज्यादा पुरानी बात नहीं है।90 के दशक तक गिने-चुने लोगों के पास ही मोबाइल होता था और इनकमिंग कॉल्स भी पेड होती थीं। किसी को भी लोग अपना मोबाइल नंबर बताने से हिचकिचाते थे। पर अब मोबाइल समाज के हर तबके के लिए सर्वसुलभ है। आज आप अपने घर पर काम करने वाली घरेलू नौकरानी के मोबाइल पर फोन करके उससे आसानी पूछ सकती है कि उसके आने में अभी कितनी देर है।

मोबाइल से एस.एम.एस. की नई संस्कृति विकसित हुई है, जो युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। क्योंकि इससे कम खर्च और कम समय में आप दूसरों तक अपना संदेश पहुंचा सकते है। इसके जरिये एक-दूसरे को बधाई संदेश और जोक्स भेजने का चलन तो पुराना हो चुका है। अब युवाओं के बीच मोबाइल के जरिये चैटिंग काफी लोकप्रिय हो रहा है। फोटो खींचने, रिकॉर्डिंग करने और गाने सुनने के लिए तो मोबाइल का इस्तेमाल होता ही है। अब थ्री जी मोबाइल उपलब्ध है, जिनमे इन फीचर्स के अलावा कई नई सुविधाएं उपलब्ध हैं और यह आपके लिए कंप्यूटर का भी काम करता है।

मोबाइल ने युवाओं के बीच प्रेम की अभिव्यक्ति को भी बहुत आसान बना दिया है। इस संदर्भ में 36 वर्षीय आई.टी. प्रोफेशनल नितिन जोशी कहते है, एक दशक पहले अगर किसी लड़की को 'आई लव यू' बोलना होता था तो हम दस बार सोचकर भी हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। लेकिन मोबाइल के कारण आज के युवाओं के लिए यह बहुत आसान हो गया है।

इंटरनेट

इंटरनेट के माध्यम से आने वाली सूचना क्रांति ने समय और दूरी की सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसने हमारी प्रोफेशनल लाइफ को ज्यादा आसान और व्यवस्थित बना दिया है। अब पहले की तरह बिजली के बिल का भुगतान, रेलवे के रिजर्वेशन और एल.आई.सी. का प्रीमियम जमा करने के लिए आपको घंटों लाइन में लगने की जरूरत नहीं है। इंटरनेट बैंकिंग से आपका यह काम मिनटों में नाममात्र के खर्च से पूरा हो जाता है। स्कूल कॉलेज में एडमिशन के लिए भी अब आसानी से ऑनलाइन आवेदन पत्र दाखिल किए जा सकते है। हाई स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट आसानी से अपना रिजल्ट इंटरनेट पर देख सकते है। ऐसा नहीं है इस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल सिर्फ युवा पीढ़ी ही करती है। बल्कि आजकल बड़ी तेजी से बुजुर्ग भी इंटरनेट का इस्तेमाल सीख रहे है। दिल्ली की 19 वर्षीया स्वाति रंगराजन कहती है, 'पिछले वर्ष जब मेरी दादी हमारे घर पर आई थीं तब मैंने उन्हे इंटरनेट का इस्तेमाल सिखा दिया था। अब वह चेन्नई जाकर वहां से मेरे साथ अकसर चैटिंग करती है।' इंटरनेट की सोशल नेटवर्किंग साइट्स और ब्लॉगिंग की सुविधा ने दूर बैठे लोगों के बीच संवाद कायम करने और भावनाओं की अभिव्यक्ति की पूरी आजादी दी है।

आज इंटरनेट पर फेसबुक और ऑरकुट जैसे कई सोशल नेटवर्किंग वेब साइट्स मौजूद है, जिनके माध्यम से आप अपने स्कूल-कॉलेज के पुराने दोस्तों के साथ दोबारा संवाद स्थापित कर सकते है।

ईएमआई की सुविधा

इन दिनों भले ही आर्थिक मंदी का दौर चल रहा हो लेकिन पिछले एक दशक में विदेशी और देशी बैंकों ने जहां एटीएम मशीनों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को आम लोगों के लिए सुविधाजनक बनाया है, वहीं ईएमआई के माध्यम से आसान किस्तों पर लोन उपलब्ध कराया है। जिससे लोगों की जीवनशैली में बहुत तेजी से बदलाव आया। पहले लोग रिटायरमेंट के बाद अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर मकान या फ्लैट ले पाते थे, लेकिन अब युवाओं के लिए आरामदायक जीवन की सारी सुख-सुविधाएं जुटाना बेहद आसान हो गया है। इससे निम्न मध्यम वर्ग तेजी से मध्यम और मध्यम वर्ग उच्च मध्यम वर्ग में प्रवेश कर रहा है। आज अच्छी नौकरी करने वाला 25 वर्ष का युवक भी शादी करने से पहले ही अपने लिए फ्लैट और कार खरीद लेता है। पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। कुल मिलाकर इससे आम लोगों का जीवन स्तर तेजी से ऊपर की ओर उठ रहा है।

टूरिज्म का बदलता स्वरूप

पहले छुट्टियों में सपरिवार घूमने जाना अच्छी-खासी मशक्कत का काम होता था लेकिन अब ट्रैवल एजेंसियां सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटन स्थलों के लिए भी किफायती पैकेज टूर की व्यवस्था करवाती है। इससे पर्यटन के प्रति आम लोगों के मन में काफी दिलचस्पी पैदा हुई है। अब वे दिन गए जब छोटे शहरों में रहने वाला आम इंसान विदेश के नाम पर सिर्फ नेपाल जाने की हिम्मत जुटा पाता था। आजकल थाइलैंड, सिंगापुर, मलेशिया जाने वाले मध्यवर्गीय पर्यटकों की तादाद में तेजी से वृद्धि हो रही है। आज की अति व्यस्त जीवनशैली और मल्टीनेशनल कंपनियों की ऊंची तनख्वाह ने समाज में एक ऐसे तबके को जन्म दिया है, जो छुट्टियों का इस्तेमाल घूमने-फिरने के बजाय आराम और स्वास्थ्य लाभ के लिए करना ज्यादा पसंद करता है। इसी के कारण हेल्थ टूरिज्म और रिसॉर्ट में छुट्टियां बिताना आधुनिक जीवनशैली का अहम हिस्सा बन गया है।

शॉपिंग मॉल्स

आज केवल महानगर ही नहीं, छोटे शहरों में भी तेजी से शॉपिंग मॉल्स खुलते जा रहे है। इससे भारतीय जीवनशैली में बहुत जबरदस्त बदलाव आया है। अब लोगों के लिए शॉपिंग केवल आसान ही नहीं, दिलचस्प भी हो गया है। एक ही कॉम्प्लेक्स में खरीदारी, बच्चों के खेलने, फिल्में देखने और खाने-पीने की सुविधाएं होने के कारण अब लोग पूरे परिवार के साथ शॉपिंग का पूरा लुत्फ उठाते है। कम समय में और उचित कीमत पर अब लोगों को बिना किसी परेशानी और थकान के अच्छी क्वालिटी की चीजें उपलब्ध होती है। इसके साथ ही आज बड़े से बड़े विदेशी ब्रैंड का शोरूम और ईटिंग आउटलेट इन मॉल्स में आसानी से देखा जा सकता है। इसलिए अब विदेशी ब्रैंड्स के प्रोडक्टस भी आम मध्यवर्गीय लोगों तक आसानी से पहुंच पा रहे है।

मॉल संस्कृति ने समाज के मध्यवर्ग को पहले की तुलना में कहीं ज्यादा 'फन लविंग' बना दिया है। अब मौज-मस्ती, घूमना-फिरना, परिवार और दोस्तों के साथ लंच या डिनर पर अकसर बाहर जाना शहरी मध्यवर्गीय जीवनशैली का अटूट हिस्सा बन गया है।

जिम

पिछले दस वर्षों में आम लोगों के बीच सेहत और फिटनेस को लेकर काफी जागरूकता आ गई है। पहले सिर्फ महानगरों में गिने-चुने जिम होते थे और उन तक सिर्फ उच्चवर्ग के लोगों की पहुंच होती थी। आज हर छोटे-बड़े शहर में हेल्थ क्लब और जिम आसानी से देखे जा सकते है। जहां वर्कआउट करने वाले लोगों में स्त्रियों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। इसी तरह लोगों के खानपान की शैली बहुत तेजी से बदल गई है। आज लोग कम कैलरी वाली स्वास्थ्यवर्धक चीजों, जैसे ऑर्गेनिक फल-सब्जियां, अनाज, लौ फैट चीज, मक्खन, ब्राउन ब्रेड, शुगर फ्री मिठाइयां रोस्टेड नमकीन आदि आज के शहरी मध्यम वर्ग के भोजन में शामिल हो चुका है। अपार्टमेंट संस्कृति

बढ़ती आबादी और जगह की कमी ने सिर्फ़ दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में ही नहीं बल्कि लखनऊ-पटना जैसे मंझोले आकार के शहरों में भी लोगों को अपार्टमेंट में रहने पर मजबूर कर दिया है। यह बहुत बड़ा बदलाव है क्योंकि जहां हम रहते है, उस वातावरण का गहरा प्रभाव हमारे पूरे व्यक्तित्व पर पड़ता है। मजबूरी में ही सही लेकिन इससे लोगों के बीच पहले की तुलना में कहीं ज्यादा सिविक सेंस पैदा हुआ। अब लोग यह समझने लगे है कि अगर हमारे घर में पार्टी है तो हम अपने शोर से पड़ोसियों की नींद नहीं खराब कर सकते। अपार्टमेंट संस्कृति ने लोगों की जीवनशैली को काफी हद तक सुव्यवस्थित कर दिया है क्योंकि कम जगह में आराम के साथ रहने की पहली शर्त है-सुव्यवस्थित होना। अब इस बात की कल्पना नहीं की जा सकती कि मकान का बड़ा कमरा पुरानी चीजों से भर कर रखा जाए और हम उन्हे देख कर अतीत की यादों को ताजा करते रहे। अब जिंदगी में पुराने सामान ही नहीं बल्कि पुराने रिश्तों के लिए भी जगह कम होती जा रही है। आपर्टमेंट संस्कृति संयुक्त परिवारों के टूटने का बड़ा कारण है। इसने एकल परिवार वाले एक ऐसे वर्ग को जन्म दिया है, जो रोजगार की तलाश में गांव से छोटे शहरों या वहां से महानगरों में आ बसा। समय और स्थान काअभाव इस वर्ग को उसकी अपनी जमीन से दूर खींच ले गया। समाज का यह तबका अपनी जीवनशैली में महानगरीय स्मार्टनेस और वहां की व्यक्तिवादी सोच को तेजी से शामिल कर रहा है।

संबंधों में तनाव
कम करने के उपाय

तनाव किसी भी संबंध को बिगाड़ सकता है, इसलिए व्यक्ति को किसी भी प्रकार के तनाव से बचने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। तनाव मुक्त होने के लिए तनाव का प्रबंधन करना जरूरी है आइए जानें संबंधों में तनाव कम करने के तरीकों के बारे में। वैसे तो तनाव किसी भी संबंध में आ सकते हैं, लेकिन अगर कपल्स के बीच तनाव होता है, तो उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। आइये ऐसे तनाव से बचने के तरीके जानें -

-मन शात रखें, मेडीटेशन करें, साथ में योगा करें।

-तनाव के कारण खोजें और उसका निदान करें।

-म्यूजिक से मन को बहुत शाति मिलती है, जब भी आप अपने को तनाव में महसूस करें तो अपने साथी को परेशान करने की बजाय

म्यूजिक सुनें और अपना तनाव भगाएं।

-तनाव से निपटने के लिए डास, जिम या किसी खेल संबंधी क्लासिज में साथ जाएं।

-साथ में सैर करें या फिर योगा क्लास ज्वाइन करें

-हमेशा सकारात्मक ही सोचे।

-खाने-पीने पर खासा ध्यान दें, इससे दिमाग फ्रेश रहता है।

-सोने और उठने का सही समय निर्धारित करें।

-परिवार के अन्य सदस्यों को भी अपनी प्रतिदिन की गतिविधियों में शामिल करें।

-प्रतिदिन व्यायाम और प्रणायाम करें।

कहते हैं अपनी रूचि अनुसार काम करने से बहुत फ्रेशनेस आती है और तनाव भी दूर होता है। यदि आपको पढ़ने की आदत है तो आप पढ़ सकते है। इससे आपको बहुत सुकून मिलेगा या फिर अपने तनाव को अपनी डायरी लेखन के माध्यम से भी दूर कर सकते हैं।

-सप्ताह में साथ में एक बार बाहर घूमने जरूर जाएं।

-जबरन शारीरिक संबंध स्थापित न करें।

-एक-दूसरे का आदर-सम्मान करें।

सभंव हो तो डेटिंग पर जाएं।

कहते हैं कि परिवार के साथ समय बिताने से तनाव से मुक्ति मिलती है। ऐसे में यदि आप अपने साथी के साथ अतिरिक्त एक्टीविटीज करेंगे तो आप तनाव का प्रबंधन भी कर पाएंगे और अपने संबंध मधुर भी बना पाएंगे।